केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 193 गुरूवार 6 फरवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एग्जिट पोल: दिल्ली में भाजपा सरकार का अनुमान

दिल्ली का एग्जिट पोल-2025

सीटें 70 | बहुमत 36

एजेंसी	भाजपा+	आप	कांग्रेस	अन्य
मैट्रिज	35-40	32-37	0-1	0-0
जेवीसी	39-45	22-31	0-2	0-1
चाणक्य स्ट्रैटेजीज़	39-44	25-28	2-3	0-0
पीपल्स पल्स	51-60	10-19	0-0	0-0
पीपल्स इनसाइट	40-44	25-29	0-1	0-0
पोल डायरी	42-50	18-25	0-2	0-0
पी-मार्क	39-49	21-31	0-1	0-0
वी-प्रीसाइड	18-23	46-52	0-1	0-0
माइंड ब्रिंक	21-25	44-49	0-1	0-0
डीवी-रिसर्च	36-44	26-34	0-0	0-0
एसएएस	38-41	27-30	1-3	0-1

नई दिल्ली (आभा)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मतदान के बाद आए अधिकतर एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 26 साल से अधिक समय बाद राष्ट्रीय राजधानी की सत्ता में वापसी की संभावना जताई गई है। दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीट के लिए बुधवार को मतदान संपन्न हुआ। मतगणना आठ फरवरी को होगी।

चुनाव के बाद अधिकतर चुनाव सर्वेक्षण एजेंसियों ने भाजपा की जीत और आम आदमी पार्टी (आप) की हार का अनुमान व्यक्त किया है। कई सर्वेक्षणों में एक बार फिर संभावना जताई गई है कि कांग्रेस के लिए खाता खोलना भी मुश्किल हो सकता है। 'मैट्रिज' के सर्वेक्षण के अनुसार, भाजपा 39 से 35 सीट जीतकर सरकार बना सकती है। इस एजेंसी ने आप को 32 से 37 तथा कांग्रेस को शून्य से दो सीट मिलने का अनुमान जताया है। 'पी–मार्क' के एग्जिट पोल में संभावना जताई गई है कि भाजपा 39–49 सीट जीतकर पूर्ण बहुत की सरकार बना सकती है। इस सर्वेक्षण में आप को 21 से 31 और कांग्रेस को 0–1 सीट मिलने की संभावना जताई गई है। 'पीपुल्स इनसाइट' के सर्वेक्षण में कहा गया है कि भाजपा को 40–44 सीट मिल सकती हैं। उसका अनुमान है कि आप को 25–29 तथा कांग्रेस को 0–2 सीट मिल सकती हैं।

'पीपुल्स प्लस' के एग्जिट पोल में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलने का अनुमान जताया गया है। इसके अनुसार, भाजपा को 51–60 सीट मिल सकती हैं तो आप को सिर्फ 10–19 सीट से ही संतोष करना पड़ सकता है। इस सर्वेक्षण में कहा गया है कि कांग्रेस का लगातार तीसरे विधानसभा चुनाव में खाता खुलने की संभावना नहीं है।

'पोल डायरी' के सर्वेक्षण का अनुमान है कि भाजपा को 42–50 सीट मिल सकती हैं तथा आप 18–25 सीट के साथ सत्ता से बाहर हो सकती है। सर्वेक्षण में कांग्रेस को 0–2 सीट मिलने का अनुमान जताया गया है। वर्ष 1998 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था और तब से वह राष्ट्रीय राजधानी की सत्ता से बाहर है।

पीएम मोदी ने त्रिवेणी में लगायी श्रद्धा की डुबकी

प्रयागराज (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ 2025 के त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई, मां गंगा की पूजा–अर्चना की और सूर्यदेव को अर्घ्य भी दिया। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच संगम में स्नान करते समय प्रधानमंत्री को पूरी बांह का केसरिया रंग का कुर्ता और नीले रंग का पायजामा पहने देखा गया। उन्होंने रुद्राक्ष की माला से जाप भी किया। उनके गले में भी रुद्राक्ष की एक माला थी। उन्होंने दूध से मां गंगा का अभिषेक किया और माला फूल चढ़ाकर गंगा आरती की। इसके बाद पुरोहितों ने प्रधानमंत्री के माथे पर चंदन का तिलक लगाया और उन्हें गंगा जल का आचमन कराया। प्रधानमंत्री ने मां गंगा को एक चुनरी भी अर्पित की।

स्नान और पूजा अर्चना के बाद काले रंग के कुर्ते और जैकेट तथा सफेद पायजामा के साथ ही हिमाचली टोपी पहने प्रधानमंत्री मोदी घाट से बाहर आये और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ कार में सवार होकर रवाना हो गए।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रयागराज महाकुंभ में आज पवित्र संगम में स्नान के बाद पूजा–अर्चना का परम सौभाग्य मिला। मां गंगा का आशीर्वाद पाकर मन को असीम शांति और संतोष मिला है। उनसे समस्त देशवासियों की सुख–समृद्धि, आरोग्य और कल्याण की कामना की।

हर–हर गंगे!" प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में संगम में डुबकी लगाते, सूर्यदेव को अर्घ्य देते, गंगा को प्रणाम करते और रुद्राक्ष की माला जपते हुए अपनी तस्वीरें भी साझा की।

अनन्ता हास्पिटल में 8 बेड वाले डायलिसिस मशीन का लोकार्पण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को बड़े वन के निकट स्थित अनन्ता हार्ट एण्ड कैंसर हास्पिटल में 8 बेड वाले डायलिसिस मशीन का लोकार्पण गणेश नामदेव नारखड़े ने किया। डा. अजय कुमार चौधरी ने बताया कि डायलिसिस मशीन की सुविधा न होने के कारण मरीजों को भटकना पड़ता था। 8 बेड वाले डायलिसिस मशीन की सुविधा हो जाने से मरीजों को इसके लिये भटकना नही पडेगा। कुशल विशेषज्ञ चिकित्सक और तकनीशियन की मौजूदगी में सेवायें उद्घाटन के साथ ही उचित दर पर शुरू हो गयी है। डायरेक्टर ई. राहुल चौधरी ने बताया कि आयुष्मान कार्ड धारकों के साथ ही पं. दीनदयाल कार्ड के साथ ही स्वास्थ्य बीमा धारकों के निःशुल्क डायलिसिस की ब्यवस्था है। बताया कि अति शीघ्र 20 बेड के डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराया जायेगा।

उद्घाटन अवसर पर मुख्य रूप से मो. नाजिम, डा. हिमांशी चौधरी, वीरभद्र स्वामी, डा. विनोद शुक्ल, डा. विकास सिंह, डा. असगर रिजवी आदि उपस्थित रहे।

कोरम के अभाव में रेड क्रास का चुनाव स्थगित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में रेड क्रॉस का चुनाव विवादों के बीच स्थगित कर दिया गया। चुनाव के प्रमुख मुद्दे में संविधान के अनुसार आवश्यक दो–तिहाई बहुमत का कोरम पूरा नहीं होना शामिल रहा।

रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव कुलवेन्द्र सिंह 'मजहबी' ने बताया कि सोसाइटी के संविधान के अनुसार चुनाव के लिए दो–तिहाई सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य थी, जो पूरी नहीं हो सकी। जिससे को चुनाव स्थगित करना पड़ा।

चुनाव पर्यवेक्षक अखिलेंद्र शाही ने बताया कि अब यह मामला जिलाधिकारी के पास भेजा जाएगा। जिलाधिकारी के निर्णय के बाद ही चुनाव की नई तिथि की घोषणा की जाएगी।

योगी कैबिनेट ने 11 प्रस्तावों पर लगाई मुहर लाटरी के जरिए बिकेंगी शराब की दुकानें

लखनऊ (आभा)। यूपी की योगी कैबिनेट ने मंगलवार को 11 अहम प्रस्तावों को मंजूरी दे दी। कैबिनेट ने नई आबकारी नीति पर भी मुहर लगा दी है। अब शराब और बीयर की दुकानों का आवंटन लाटरी सिस्टम के जरिए किया जाएगा। पिछले साल आबकारी नीति घोषित नहीं होने से सरकार को राजस्व के कलेक्शन में भारी नुकसान हुआ है। इसके साथ ही विधानसभा का बजट सत्र 18 फरवरी से बुलाने का फैसला लिया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवास पर हुई कैबिनेट की बैठक में इसके अलावा कई अन्य प्रस्तावों पर भी मुहर लगी है। कैबिनेट के एजेंडे में माध्यमिक शिक्षा और उच्च शिक्षा के कई प्रस्ताव, औद्योगिक बिकास विभाग के प्रस्तावों के साथ ही नई निर्यात नीति का प्रस्ताव लाया गया था। गन्ना के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी का भी प्रस्ताव एजेंडे में था।

अन्य फैसलों के बारे में हालांकि अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है। बताया जा रहा है कि गुरुवार की सुबह साढ़े दस बजे कैबिनेट में पास हुए फैसलों के बारे में बताया जाएगा।

एक नजर

महाशिवरात्रि पर होगा सामूहिक रुद्राभिषेक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोक मंगल की भावना से सनातन धर्म चेतना चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा महाशिवरात्रि के दिन विशाल मंगल उत्सव का आयोजन किया गया है। यह आयोजन श्री सिद्धेश्वर शिव मंदिर निकट अमहट, कुआंनो नदी के तट पर आयोजित किया जाएगा। शिव भक्तों द्वारा लोक मंगल के लिए सामूहिक प्रार्थना करके विधि विधान से पूजन व रुद्राभिषेक किया जाएगा। मंगल उत्सव के लिए रुपरेखा तैयार करते हुए ट्रस्ट के सहयोगियों ने पूरे मनोयोग से सहयोग करने का आश्वासन दिया।

केन्द्रीय प्रवक्ता विशाल पाण्डेय ने कहा कि आयोजन को भव्यता प्रदान करने के लिए सभी लोग प्रचार प्रसार में सहयोग करें । ट्रस्ट अध्यक्ष राजेश मिश्र ने कहा कि सभी प्रकार के विघ्न बाधाओं को दूर करने के लिए श्री गणपत्यथर्वशीर्ष पाठ किया जाएगा जिससे मंगल उत्सव निर्विघ्न संपन्न हो सके।

करंट से मौत का मामला: चार लाख मुआवजे का आदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष न्यायाधीश अमरजीत वर्मा, सदस्य अजय प्रकाश सिंह की पीठ ने 11 हजार वोल्ट की लाइन से स्पर्श होने पर हुई मृत्यु के मामले में मृतक के परिजनों को 4 लाख 23 हजार रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया है। विद्युत विभाग को 65 हजार रुपए क्षतिपूर्ति के रूप में देना होगा। नगर थानाक्षेत्र के रमवापुर पाठक गांव पूर्णमासी ने पीठ में परिवाद दाखिल कर कहा कि उसका पुत्र प्रेमनाथ विपिनगांव के पास शुक्ला जनरल स्टोर की दुकान पर पतंजलि का बोर्ड लगा रहे थे। दुकान के सामने से 11 हजार वोल्ट की लाइन प्रवाहित हो रही थी। बंदर ने तार हिला दिया और बोर्ड लगा रहे विपिन तार की चपेट में आकर गिर गए। आनन फानन में उन्हें जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया जहां डॉक्टर में मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता और बहन की तरफ से मुआवजे की मांग की गई जिसे विद्युत विभाग ने खारिज कर दिया।

7 करोड़ का बिजली बिल बनाने वाला बाबू निलम्बित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती,। किसान के एक किलोवॉट के कनेक्शन पर 7.32 करोड़ का बिजली बिल बनाने वाले बाबू दीपक तिवारी को एमडी पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निर्देश पर निलंबित कर दिया गया है। बाबू को मुख्य अभियंता कार्यालय प्रयागराज से संबद्ध किया गया है। मामला विद्युत वितरण खंड हर्रैया का है। आरोप है कि बाबू ने गलत रीडिंग भर दी, जिससे बिल रिवाइज होकर बढ़ गया। गलत बिल को जारी भी करा दिया गया। बिल को लेकर संविदा कर्मी किसान के घर तक पहुंच गए और बकाया बिल जमा करने के लिए उस पर दबाव बना रहे थे। अधिशाषी अभियंता हर्रैया अजय मौर्या ने बताया कि बाबू को निलंबित किया गया है। विद्युत उपकेंद्र हर्रैया के केशवपुर फीडर के रमया गांव निवासी किसान मोलहू को विभाग ने 7.32 करोड़ का बिल भेज दिया है। किसान का कहना है कि उसके घर पर एक किलोवॉट का कनेक्शन है। भारी भरकम बिल देखकर पूरा परिवार हैरान हो गया। अधीक्षण अभियंता के निर्देश पर अधिशाषी अभियंता हर्रैया ने बिल को सही करा दिया था।

मिल्कीपुर में बरसे वोट: कयास शुरू

संवाददाता– अयोध्या। अयोध्या जिले और फैजाबाद लोकसभा के अंदर आने वाली मिल्कीपुर विधानसभा सीट के वोटरों ने इस उपचुनाव में ही आजादी के बाद से अब तक के मतदान के सारे रिकॉर्ड तोड़ तोड़ दिए। फैजाबाद से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद के विधानसभा सीट छोड़ने पर मिल्कीपुर में उपचुनाव हो रहा है। चुनाव आयोग के मुताबिक शाम 5 बजे तक मिल्कीपुर सीट पर 65.25 प्रतिशत मतदान रिकॉर्ड किया गया है। मिल्कीपुर में इससे पहले अब तक का सबसे ज्यादा मतदान 60.58 परसेंट था। आम तौर पर उपचुनाव में कम वोट पड़ते हैं लेकिन मिल्कीपुर सीट ने इस धारणा को ना सिर्फ तोड़ा है बल्कि एक नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। मतदान के साथ ही कयासबाजी शुरू हो गई है।

चुनाव आयोग के नियमों के मुताबिक शाम 5 बजे तक जो मतदाता पोलिंग बूथ पर लाइन में लग जाते हैं, उनके वोट करने के बाद ही मतदान बंद होता है। इसलिए अंतिम आंकड़ा आने पर शाम 5 बजे तक के आंकड़े 65.25 प्रतिशत में कुछ और इजाफा हो सकता है। उत्तर प्रदेश में आजादी के बाद 1951 से अब तक कुल 18 बार विधानसभा के आम चुनाव हुए हैं लेकिन मिल्कीपुर सीट पहली बार 1967 में बनी। 1951 से 2022 तक असेंबली के 15 चुनाव हुए हैं, जिसमें सबसे ज्यादा वोट 2022 में पड़ा था। तब 60.58 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था।

मिल्कीपुर सीट पर 1967 में 48.74 प्रतिशत जबकि 2022 में 60.58 प्रतिशत वोट हुआ था। 7 बार मतदान प्रतिशत 50 फीसदी से कम जबकि 7 बार 50 फीसदी से ऊपर रहा है। पहली बार वोट 60 परसेंट के ऊपर 2022 में गया था। उपचुनाव में अब तक के सारे रिकॉर्ड का टूट जाना यह बताता है कि जनता में बहुत जोश है। उपचुनाव के बावजूद वोटर घर से बड़ी संख्या में निकले। लेकिन ये 8 फरवरी को पता चलेगा कि मिल्कीपुर के लोग किसकी लाज रखने के लिए बड़ी संख्या में मतदान केंद्र तक पहुंचे, योगी आदित्यनाथ या अखिलेश यादव। मतदान के साथ ही समर्थक हार–जीत का कयास लगाने लगे हैं। निगाहे मतगणना पर टिकी है कि परिणाम किस रूप में सामने आयेगा।

अच्छे कार्य के लिये पुरस्कृत किये गये लेखपाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजना ई–खसरा पड़ताल (डिजिटल क्रॉप सर्वे) के अन्तर्गत 1432 फसली रबी फसल का ई–क्रॉप सर्वे कार्य में राजस्व लेखपाल वेद प्रकाश दूबे, तहसील बस्ती सदर द्वारा जनपद में एक दिवस में सर्वाधिक गॉटा (721) का ई–क्राप सर्वे करने एवं अपने क्षेत्र के समस्त गाटो का सर्वे एक सप्ताह में समाप्त किये जाने हेतु तथा लेखपाल चन्द्र प्रकाश, तहसील बस्ती सदर द्वारा राजस्व एवं कृषि विभाग की महत्वपूर्ण योजना फार्मर रजिस्ट्री में उत्कृष्ट कार्य किये जाने हेतु प्रशस्ति–पत्र कलेक्ट्रेट कार्यालय में दिया।

जिलाधिकारी ने फॉर्मर रजिस्ट्री/ई–क्रॉप सर्वे कार्य शीघ्र समाप्त किये जाने हेतु राजस्व विभाग, कृषि विभाग एवं पंचायत विभाग को निर्देशित किया। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती, तहसीलदार बस्ती सदर विनय प्रभाकर, अपर सांख्यिकीय अधिकारी भूलेख अजय कुमार चौधरी, नायब तहसीलदार विजय कुमार गुप्ता, लेखपाल सम्बद्ध भूलेख शंकर उपस्थित रहें।

ग्रामीण चौकीदारों ने किया राज्य कर्मचारी का दर्जा देने की मांग:मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ग्रामीण चौकीदार विकास कल्याण समिति जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार गौतम के नेतृत्व में पदाधिकारियों, चौकीदारों ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को 5 सूत्रीय भेजा। मांग किया कि प्रदेश के ग्राम प्रहरी चौकीदारों को नियमित कर वेतन वृद्धि करते हुये राज्य कर्मचारी का दर्जा देते हुये सुविधायें दी जाय।

ज्ञापन देने के बाद समिति जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार गौतम ने बताया कि पिछले कई वर्षो से चौकीदार अपनी मांगो को लेकर आन्दोलित हैं। चुनाव के समय भाजपा नेताओं ने वादा किया था कि सरकार बनने पर ग्राम प्रहरी चौकीदारों को नियमित कर कर दिया जायेगा, यदि सरकार न बनी तो 10 हजार रूपये का मानदेय दिलाया जायेगा। प्रदेश में दो बार भाजपा की सरकार बनी किन्तु पार्टी के नेता अपना किया हुआ वादा भूल गये। मांग किया कि ग्रामीण चौकीदारों की मांगे मानी जाय।

5 सूत्रीय मांग पत्र मे मानदेय वृद्धि, राज्य कर्मचारियों का दर्जा दिये जाने, न्याय मूर्ति जे.एन. मित्तल की सिफारिशों को लागू किये जाने, वर्दी लागू करने आदि की मांग शामिल है। ज्ञापन सौंपने वालों में राम लौट, त्रिभुवन नारायण, जगदम्बा मिश्रा, रामस्वरूप चौधरी, जीत बहादुर, तुलसीराम, सूरज कुमार, रहीस, विनय कुमार, बाबूराम, सरोज, सुनीता चौधरी, मुकेश कुमार यादव,रेखा देवी, राम ललित, रामवृक्ष, संगीलाल, इंद्रजीत, जग्गा, राम आशीष, अमरेश चंद' गुड्डू, कन्हैया लाल, अवध राम, दुर्गेश शुक्ला, अनूप कुमार, चन्द्र प्रकाश, अमरजीत यादव, पारसनाथ, राम नरायन पाण्डेय, संगीलाल, सतगुरू, सूर्यनाथ, विनय कुमार, प्रदीप रंजनी आदि शामिल रहे।

हिन्दू- मुस्लिम भाई चारे से मजबूत होगा देश-चांद मोहम्मद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बुधवार को राष्ट्रीय मुस्लिम मोर्चा जिलाध्यक्ष मो. एजाज खान के संयोजन में गौर विकास खण्ड के पैकोलिया मुस्लिम बाग में जिला स्तरीय मिनी तरबियती कैम्प का आयोजन किया गया। अध्यक्षता करते हुये मोर्चा के राष्ट्रीय प्रभारी चांद मोहम्मद ने कहा कि लब जेहाद, मांब लीचिंग के नाम पर जाति धर्म देखकर मुस्लिम वर्ग का उत्पीड़न जारी है। इसे रोकने के लिये एकजुट होकर आवाज उठानी होगी।

–धर्म के नाम पर मुसलमानों का उत्पीड़न बंद करने की मांग

मुख्य अतिथि चन्द्रिका प्रसाद ने कहा कि देश और उत्तर प्रदेश की गंगा यमुना तहजीब खतरे में हैं। हिन्दु–मुस्लिम भाई चारा मजबूत करने से ही देश और प्रदेश की प्रगति होगी। कार्यक्रम को आर. के. आरटियन, हृदय गौतम, ठाकुर प्रेम नन्दबंशी, रिफाकत अली, मो. जावेद, मो. शमीम, बुद्ध प्रिय पासवान आदि ने सम्बोधित करते हुये कहा कि देश को आजाद कराने से लेकर नव निर्माण में मुस्लिम समाज का योगदान रहा है। उसे भुलाया नहीं जा सकती। नफरत की राजनीति से देश का समुचित विकास कभी नहीं हो सकता। हमें परस्पर भाई चारे को मजबूती देनी होगी।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से तौफीक खान, अब्दुल मलिक, मो. अजीम, मो. अयाज, राम सुमेर यादव, मो. अकरम, सुहेल, गनेश कुमार, सलाहुद्दीन, अमजद अली, हरिनाथ, समीर आलम, नदीम, हुसैन, मो. फहीम, फैजान, इब्राहीम, नियाज अहमद, मो. परवेज, वकार अहमद के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती
बस्ती 6 फरवरी 2025 गुरूवार

सम्पादकीय

प्रवासियों की जबरिया वापसी

यह विडंबना ही है कि पूरे विश्व को लोकतांत्रिक मूल्यों, मानव अधिकारों व आदर्श जीवन मूल्यों की नसीहत देने वाले अमेरिका ने विभिन्न देशों के कथित अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने की कार्रवाई को बलपूर्वक अंजाम दिया है। सुनहरे सपनों की आस में घर–खेत दांव पर लगाकर व एजेंटों को लाखों रुपये देकर अमेरिका पहुंचे युवाओं ने सपने में नहीं सोचा होगा कि उन्हें अपराधियों की तरह वापस उनके देश भेजा जाएगा। ये हमारे नीति–नियंताओं की विफलता ही है कि हमारी युवा शक्ति दुनिया के विभिन्न देशों में लुट–पिटकर अपमानजनक स्थितियों का सामना कर रही है। कभी उन्हें पूर्वी एशिया के देशों में साइबर अपराधी बंधक बनाकर ऑनलाइन धोखाधड़ी को अंजाम देते हैं, तो कभी उन्हें धोखे से बिचौलिए रूसी सेना में भर्ती करवा देते हैं। कभी उन्हें इस्राइल–हमास के भयावह युद्धग्रस्त इलाके में काम की तलाश में पहुंचा दिया जाता है। लाखों भारतवंशियों ने अपनी मेधा व पसीने से अमेरिका की प्रतिष्ठा पर चार–चांद लगाए हैं। अंतरिक्ष में इतिहास रचने वाली कल्पना चावला से लेकर भारतवंशी कमला हैरिस, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से अमेरिका में उपराष्ट्रपति पद तक हासिल किया। यह विडंबना ही है कि मूलतरू प्रवासियों द्वारा बसाये देश अमेरिका में आज सेना के बल पर बेहतर भविष्य की तलाश में आए प्रवासियों को खदेड़ा जा रहा है। मैक्सिको की सीमा पर दीवार खड़ी करके सेना तैनात की जा रही है। यह विडंबना ही कि प्रधानमंत्री मोदी की वाशिंगटन यात्रा से कुछ दिन पहले एक अमेरिकी सैन्य विमान से दो सौ से अधिक कथित अवैध भारतीय प्रवासियों को जबरन वापस भारत लाया गया है। निश्चित रूप से संकीर्णतावादी सोच का पक्षधर ट्रंप प्रशासन दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भारत के साथ वैसा व्यवहार नहीं कर सकता जैसा कि वह अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला, होंडुरास, पेरू के प्रवासियों के साथ कर रहा है। हालांकि, एक अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत, अमेरिका में गए सर्वाधिक अवैध अप्रवासियों वाले देशों में शुमार है।

निश्चित रूप से प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा से पूर्व जबरन की गई 'निर्वासन उड़ान' विसंगतियों व विडंबनाओं की ही घोतक है। हालांकि, भारत ने कूटनीतिक प्रयासों से अवैध अप्रवासन पर समयानुकूल निर्णय लेकर दोनों देशों में संबंध सामान्य बनाने का प्रयास किया। दरअसल, अमेरिका की हालिया यात्रा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जमीनी स्तर पर बेहतर कूटनीतिक प्रयास किये। उन्होंने ट्रंप प्रशासन को इस बात को लेकर आश्वस्त किया कि भारत अपने भटके हुए नागरिकों की वैध वापसी के लिये तैयार है। निस्संदेह, भारत ने समझदारी से टकराव टालने का सार्थक प्रयास किया ताकि मोदी–ट्रंप की मुलाकात से पहले दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट न घुले। निश्चय ही तुनक मिजाज ट्रंप व उनके प्रशासन से इस मुद्दे पर अड़ने में कोई समझदारी भी नहीं थी। ऐसी ही स्थिति पर कोलम्बिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो द्वारा अपने प्रवासी नागरिकों से भरे अमेरिकी सेना के जहाज को न उतरने देने की घोषणा करके अपने लिए अपमानजनक स्थितियां पैदा कर दी थी। पहले उन्होंने निर्वासित लोगों को ले जाने वाली सैन्य उड़ानों को स्वीकार करने से मना कर दिया था। लेकिन फिर राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कोलंबिया पर टैरिफ और प्रतिबंध लगाने की धमकी के बाद उन्होंने यू–टर्न ले लिया। अब वही कोलंबिया के राष्ट्रपति प्रवासियों से तुरंत घर आने और 'सामाजिक संपदा' के निर्माण में योगदान का अनुरोध कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारत के पास अमेरिका से निर्वासन के लिये चिन्हित अपने करीब अट्ठारह हजार कथित अवैध प्रवासी नागरिकों के पुनर्वास को लेकर कोई योजना है? सरकार कैसे सुनिश्चित करेगी कि भविष्य में ये लोग फिर किसी आप्रवासन का दुस्साहस नहीं करेंगे? निश्चित रूप से समय की मांग है कि बेईमान ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी कार्रवाई की जाए, जो युवाओं को सुनहरे सपने दिखाकर अवैध रूप से अमेरिका व अन्य देशों में भेजते हैं। निस्संदेह, विकसित भारत का सपना दूर की कौड़ी है, लेकिन सबसे पहली प्राथमिकता देश की युवा शक्ति को कुशल बनाने तथा रोजगार के आकर्षक अवसर पैदा करना होनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के दौरान कानूनी प्रवासन को सुव्यवस्थित करने का एजेंडा सर्वोपरि होना चाहिए।

वैश्विक राजनीति–अर्थशास्त्र और ब्रिक्स

—श्याम सखा 'श्याम'—

ब्रिक्स ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका वाले पांच प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों का समूह है। जो दुनिया की बड़ी आबादी, जीडीपी और व्यापार के बड़े हिस्से का प्रतिनिधित्व करता हैं। 'ब्रिक' शब्द 2001 में गोल्डमैन सैक्स के अर्थशास्त्री जिम ओ'नील द्वारा गढ़ा गया था, जिन्होंने भविष्यवाणी की थी कि ये चार अर्थव्यवस्थाएं 2050 तक वैश्विक विकास पर हावी होंगी। पहली अनौपचारिक ब्रिक बैठक 2006 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में हुई थी, उसके बाद 2009 में रूस में पहला आधिकारिक ब्रिक शिखर सम्मेलन हुआ था। वर्ष 2010 में, दक्षिण अफ्रीका इसमें शामिल हुआ, जिससे ब्रिक ब्रिक्स में बदल गया। वर्ष 2014 में, ब्रिक्स ने पश्चिमी–प्रभुत्व वाले आईएमएफ और विश्व बैंक के विकल्प के रूप में न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) की स्थापना की। समूह का प्रभाव 2023 में और बढ़ गया जब इसने अर्जेंटीना, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और यूएई को आमंत्रित करके विस्तार किया, जो इसकी बढ़ती वैश्विक भूमिका को दर्शाता है। फिर क्यूबा व इंडोनेशिया पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल हो गए। वर्ष 2025 की शुरुआत तक, 40 से अधिक देशों ने ब्रिक्स समूह में शामिल होने में रुचि व्यक्त की है, जिसमें 24 देशों ने औपचारिक रूप से सदस्यता के लिए आवेदन किया है।

ब्रिक्स वैश्विक शासन में अमेरिकी व यूरोपीय प्रभुत्व को चुनौती देते हुए एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था बनाने का प्रयास करता है। यह संगठन विकासशील देशों के लिए अधिक प्रतिनिधित्व की मांग करते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, आईएमएफ और विश्व बैंक में सुधारों की वकालत करता है। जबकि रूस और चीन ब्रिक्स का उपयोग अमेरिकी आधिपत्य को संतुलित करने के लिए करते हैं, भारत व ब्राजील रणनीतिक स्वायत्तता हेतु इसका लाभ उठाते हैं। ब्रिक्स अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और एशिया में अपने प्रभाव का विस्तार कर रहा है। भारत क्वाड गठबंधन जैसी रणनीतिक साझेदारी हेतु ब्रिक्स जुड़ाव को संतुलित करता है।

अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों पर, ब्रिक्स ने तटस्थ या वैकल्पिक स्थिति अपनाई है, जैसा रूस–यूक्रेन युद्ध के प्रति इसके दृष्टिकोण में दिखा। प्रतिबंधों पर संवाद को प्राथमिकता दी गई है। यह पश्चिमी नेतृत्व वाले हस्तक्षेपों और नाटो जैसे सैन्य गठबंधनों के लिए कूटनीतिक विकल्प प्रदान करता है। ब्रिक्स वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 31 फीसदी हिस्सा है, जो जी–7 से आगे है, और दुनिया की 42 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। चीन सकल घरेलू उत्पाद में सबसे आगे है, भारत सबसे तेजी से बढ़ती ब्रिक्स अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

समूह की प्रमुख पहलों में से एक डी–डॉलरीकरण है, जो व्यापार और वित्तीय लेनदेन में अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता को कम करता है। न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) डॉलर के प्रभुत्व का मुकाबला करने के लिए स्थानीय मुद्राओं में ऋण प्रदान करता है। रूस और चीन पश्चिमी प्रतिबंधों को दरकिनार करने के लिए युआन, रूबल और स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को सक्रिय रूप से बढ़ावा देते हैं। ब्रिक्स के भीतर व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे पश्चिमी बाजारों पर निर्भरता कम हुई है। जबकि चीन ब्रिक्स के भीतर सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है, अन्य सदस्य बीजिंग पर अत्यधिक आर्थिक निर्भरता को रोकने के लिए विविधीकरण चाहते हैं। वर्ष 2023 ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में सऊदी अरब, यूएई, ईरान, मिस्र, इथियोपिया और अर्जेंटीना को आमंत्रित किया गया, जो आगे के विस्तार का संकेत है। तेल समृद्ध खाड़ी देशों को शामिल करने से वैश्विक ऊर्जा बाजारों में ब्रिक्स की भूमिका बढ़ जाती है।

हालांकि, आंतरिक संघर्ष महत्वपूर्ण चुनौतियां पेश करते हैं। भारत और चीन के बीच तनाव, विशेष रूप से सीमा विवादों को लेकर, भू–राजनीतिक टकराव पैदा करते हैं। यूक्रेन में रूस के युद्ध के परिणामस्वरूप पश्चिमी प्रतिबंध लगे हैं, जिससे ब्रिक्स के भीतर सहयोग जटिल हो गया है। समूह के भीतर आर्थिक असमानताएं भी चुनौतियां पेश करती हैं, क्योंकि व्यापार में चीन का प्रभुत्व सदस्यों के बीच विषमता पैदा करता है। इन चुनौतियों के बावजूद, ब्रिक्स का लक्ष्य पश्चिमी प्रभाव से स्वतंत्र एक नई वित्तीय प्रणाली स्थापित करना है। समूह प्रौद्योगिकी और रक्षा में अपने सहयोग का विस्तार भी कर सकता है।

ट्रम्प की आक्रामक विदेश नीति, विशेष रूप से आर्थिक राष्ट्रवाद, व्यापार युद्ध और बहुपक्षीय संस्थानों के प्रति संदेह पर उनका जोर, पश्चिमी प्रभुत्व के लिए भू–राजनीतिक प्रतिपक्ष के रूप में ब्रिक्स के विकास में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान दे सकता है।

निस्संदेह, यू.एस. अलगाववाद ने ब्रिक्स की एकजुटता को बढ़ावा दिया। ट्रम्प की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति अक्सर सहयोगियों के साथ तनाव और कुछ क्षेत्रों में वैश्विक नेतृत्व से पीछे हटने का कारण बनी है। यह ब्रिक्स के लिए खुद को एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की वकालत करने वाली वैकल्पिक शक्ति के रूप में पेश करने का अवसर बनाता है। ट्रम्प के व्यापार ने बीजिंग को अन्य ब्रिक्स देशों और गैर–पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। ट्रम्प के वित्तीय प्रतिबंध ने अमेरिकी डॉलर के विकल्प की तलाश को तेज किया है। ट्रम्प की नीतियों ने ब्रिक्स की भू–राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को गति दी है। ब्रिक्स वैश्विक राजनीति और अर्थशास्त्र को नया आकार दे रहा है। पश्चिमी प्रभुत्व को चुनौती दे रहा है और विकासशील देशों के लिए एक मंच प्रदान कर रहा है।

पुस्तक–महाकुंभ एक नये दौर का सूत्रपात

— ललित गर्ग—

देश में दो महाकुंभ चल रहे हैं, एएक प्रयागराज में सनातन धर्म का महाकुंभ तो दूसरा दिल्ली में पुस्तकों का महाकुंभ। 1 फरवरी से 9 फरवरी 2025 तक प्रगति मैदान के भारत मंडपम में पाठकों, लेखकों और प्रकाशकों एक भव्य महा–उत्सव जो पांच दशकों की समृद्ध विरासत के साथ, साहित्य, संस्कृति और ज्ञान का जीवंत संगम बना हुआ है। इस वर्ष के पुस्तक मेले की मुख्य थीम 'रिपब्लिक / 75' है, जो भारतीय संविधान के 75 वर्षों के जश्न पर एक मजबूत भारत की परिकल्पना, राष्ट्र–निर्माण में प्रगति, और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य पर केन्द्रित है। पुस्तक मेले का एक मुख्य आकर्षण बच्चों का मंडप है, जिसका उद्देश्य बच्चों के साहित्य को बढ़ावा देना और युवाओं में पढ़ने की आदत विकसित करना है। पुस्तक मेला केवल किताबों तक सीमित नहीं हैय यह सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का भी एक मंच है। मेले में आयोजित नाट्य, संगीत, लोक कला और परंपरागत प्रस्तुतियाँ इसे एक समग्र अनुभव और वैश्विक दृष्टिकोण के संवाद का अवसर प्रदान कर रही है। इस अवसर पर विभिन्न देशों के साहित्यिक प्रतिनिधिमंडल की सहभागिता हो रही है, जो अपने सांस्कृतिक मूल्यों, परंपराओं और साहित्यिक दृष्टिकोण को साझा कर रहे हैं। आज डिजिटलीकरण और कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) के दौर में भले ही पुस्तकों की उपादेयता एवं अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह टंग रहे हो, लेकिन ऐसे अनूठे एवं विलक्षण पुस्तक मेले पुस्तकों की उपयोगिता, प्रासंगिकता एवं महत्व को नये पंख भी दे रहे हैं।

पुस्तक मेलों की परंपरा भारत और विश्व में सैकड़ों वर्षों से चली आ रही है। प्राचीन भारत में भी पांडुलिपियों के आदान–प्रदान और साहित्यिक संवाद की परंपरा थी। आधुनिक युग में, पुस्तक मेले का आयोजन पहली बार यूरोप में 15वीं शताब्दी में हुआ। गुटेनबर्ग द्वारा मुद्रण तकनीक के आविष्कार के बाद पुस्तकों का वितरण तेजी से बढ़ा और इसने पुस्तक मेलों के आयोजन को प्रेरित किया। भारत में पुस्तक मेलों की आधुनिक परंपरा 1970 के दशक में प्रारंभ हुई, जब नेशनल बुक ट्रस्ट ने दिल्ली में पहले विश्व पुस्तक मेले का आयोजन किया। ये मेले न केवल साहित्यिक संवाद का माध्यम बने हैं, बल्कि विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों को जोड़ने का एक सशक्त मंच बनकर शब्द, विचार तथा भावनाओं को जीवंत किया हैं। ये केवल पुस्तकों की खरीद–बिक्री का स्थान नहीं, बल्कि भाषाई और साहित्यिक विविधता को प्रोत्साहित करते हुए समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर उनके विचारों को साझा करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि पुस्तक मेले न केवल साहित्यिक चेतना को सजीव करते हैं, बल्कि गहरी सांस्कृतिक चेतना का पोषण भी करते हैं।

विश्व पुस्तक मेला न केवल पुस्तकों का उत्सव है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक धरोहर, साहित्यिक समृद्धि और विविधता का उत्सव मनाने के साथ पुस्तक–संस्कृति को सजीव बनाने का अवसर भी है। इंसान की जिंदगी में विचारों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। वैचारिक क्रांति एवं विचारों की जंग में पुस्तकें सबसे बड़ा हथियार है। जिसके लिए न तो कोई लाइसेंस लेना है, न ही इसके लिए किसी नियम–कायदे से गुजरना है, लेकिन यह हथियार जिसके पास हैं, वह जिंदगी की जंग हारेगा नहीं। जब लड़ाई वैचारिक हो तो किताबें हथियार का काम करती हैं। किताबों का इतिहास शानदार और परम्परा भव्य रही है। पुस्तकें मनुष्य की सच्ची मार्गदर्शक हैं। पुस्तकें सिर्फ जानकारी और मनोरंजन ही नहीं देती बल्कि हमारे दिमाग को चुस्त–दुरुस्त रखती हैं। समाज में पुस्तकें पुनः अपने सम्मानजनक स्थान पर प्रतिष्ठित हो, इसके लिये ऐसे मेले मील का पत्थर है।

पुस्तकें वैचारिक जंग के साथ–साथ जीवन–जंग को जीतने का सक्षम आधार है। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने पुस्तकों के महत्व पर लिखा है कि तोप, तीर, तलवार में जो शक्ति नहीं होती, वह शक्ति पुस्तकों में रहती है। तलवार आदि के बल पर तो हम केवल दूसरों का शरीर ही जीत सकते हैं, किंतु मन को नहीं। लेकिन पुस्तकों की शक्ति के बल पर हम दूसरों के मन और हृदय को जीत सकते हैं। ऐसी जीत ही सच्ची और स्थायी हुआ करती है, केवल शरीर की जीत नहीं! वस्तुतः पुस्तकें सचमुच हमारी मित्र हैं। वे अपना अमृतकोश सदा हम पर न्यौछावर करने को तैयार रहती हैं। उनमें छिपी अनुभव की बातें हमारा मार्गदर्शन करती हैं। हमारे मन में उठ रहे सवालों का जवाब पाने के लिए पुस्तकों से बेहतर जरिया कोई भी नहीं। तब भी जब हमारे आस–पास कोई नहीं है, हम अकेले हैं, उदास हैं, परेशान हैं, किताबें हमारी सच्ची दोस्त बनकर हमें सहारा देती हैं। पुस्तकों का महत्व एवं क्षेत्र सार्वकालिक, सार्वभौमिक एवं सार्वदैशिक है। जहां तक जीवन की पहुंच है, वहां तक पुस्तकों का क्षेत्र है। पुस्तकों की यही कसौटी बताई गयी है कि वे जीवन से उत्पन्न होकर सीधे मानव जीवन को प्रभावित करती है। दो और दो चार होते हैं, यह चिर सत्य है पर साहित्य नहीं है क्योंकि जो मनोवेग तरंगित नहीं करता, परिवर्तन एवं कुछ कर गुजरने की शक्ति नहीं देता, वह साहित्य नहीं हो सकता अतः अभिव्यक्ति जहां आनन्द एवं जीवन ऊर्जा का स्रोत बन जाए, वहीं वह साहित्य है। पुस्तकें पढ़ना विचार सुनने या भाषणों से बेहतर हैं। रेडियो पर अपने मन की बात के जरिये प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी ने हिन्दी के अमर कथाकार मुंशी प्रेमचन्द का उल्लेख करते हुए लोगों से अपने दैनिक जीवन में किताबें पढ़ने की आदत डालने का आह्वान किया था। साथ ही उपहार में 'बुके नहीं बुक' यानी किताब देने की बात कही। पुस्तक–संस्कृति को जनजीवन में प्रतिष्ठापित करने की दृष्टि से उनकी यह एक नयी प्रेरणा है, झकझोरने एवं सार्थक दिशाओं की ओर अग्रसर करने की मुहिम है। देश में स्वामी विवेकानंद की धारा से पुनर्जागरण का एक दौर शुरू हुआ था जिससे हमें आजादी मिली थी, आचार्य श्री तुलसी के नैतिक क्रांति के शंखनाद–अणुव्रत आन्दोलन से नैतिक, वैचारिक एवं चारित्रिक बल मिला और अब मोदी के नेतृत्व में पुनर्जागरण का एक नया दौर शुरु हुआ है जो देश को एक नये सांचे में गढ़ने वाला साबित हो रहा है, इससे नया भारत निर्मित हो रहा है एवं पढ़ने की कम होती रूचि पर विराम लग रहा है। पुस्तक मेलों से पुस्तक एवं पुस्तकालय क्रांति के नये दौर का सूत्रपाठ हो रहा है।

जन चेतना के उद्बोधन में वैचारिक क्रांति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वैचारिक क्रांति का सशक्त आधार पुस्तकें हैं। पुस्तकें नई दुनिया के द्वार खोलती हैं, दुनिया का अच्छा और बुरा चेहरा बताती, अच्छे बुरे की तमीज पैदा करती हैं, हर इंसान के अंदर सवाल पैदा करती हैं और उसे मानवता एवं मानव–मूल्यों की ओर ले जाती हैं। ये पुस्तकें ही हैं जो बताती हैं कि विरोध करना क्यूँ जरूरी है। ये ही व्यवस्था विरोधी भी बनाती हैं तो समाज निर्माण की प्रेरणा देती है। भले ही आज के इंटरनैट फ्रैंडली वर्ल्ड में सीखने के लिए सब कुछ इंटरनैट पर मौजूद है लेकिन इन सब के बावजूद जीवन में पुस्तकों का महत्व आज भी बरकरार है। उन्नत एवं सफल जीवन के लिये पुस्तकों के पठन–पाठन की संस्कृति को जीवंत करना वर्तमान समय की बड़ी जरूरत है। क्योंकि पुस्तकों में तोप, टैंक और एटम से भी कई गुणा अधिक ताकत होती है। अणुअस्त्र की शक्ति का उपयोग ध्वंसात्मक ही होता है, पर सत्साहित्य मानव–मूल्यों में आस्था पैदा करके स्वस्थ समाज की संरचना करती है।

किताबों, अखबारों से जोड़िये रिश्ता

-डा. सत्यवान सौरभ-

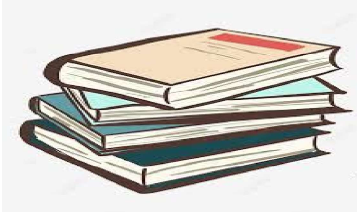

युवा लोगों में इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल की वजह से किताबों में दिलचस्पी कम होती जा रही है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की वजह से युवा भारतीयों की पढ़ने की आदत में तेजी से बदलाव आ रहा है। स्मार्टफोन और लगभग मुफ्त इंटरनेट सेवाओं के प्रसार ने आदत बदलने की इस प्रक्रिया को और तेज कर दिया है। इंस्टेंट मैगी युवा पीढ़ी का हिस्सा है। नतीजतन वे अपने जीवन को मैनेज करने के लिए गूगल का इस्तेमाल करते हैं। मेहनत, धैर्य और लगन से काम करके पुरानी पीढ़ी, जो कभी किताबें पढ़ती थी, अपने जीवन को मकसद देती थी। किताबें समस्या–समाधान के लिए बहुत जरूरी थीं, खासकर आत्मकथाएँ। पहले माता–पिता भी किताबें पढ़ने का सुझाव देते थे। अगर आप अभी किताबें और अखघ्बार नहीं पढ़ते हैं तो आज से ही पढ़ने की आदत डालें। आप शायद किताबें पढ़ने के इतने फायदों से वाकिफ नहीं हैं। आजकल, जब युवा पीढ़ी सुबह उठती है, तो वे समाचार पत्र पढ़ने के बजाय सोशल मीडिया साइट्स ब्राउज करने के लिए अपने स्मार्टफोन का उपयोग करना शुरू कर देते हैं। कोई भी टीवी शो कितना भी लोकप्रिय क्यों न हो, अब परिवार उसे देखने के लिए एक साथ इकट्ठा नहीं होता है जैसा कि वे पहले करते थे। इसके बजाय, वे अपने फोन पर सोशल मीडिया ऐप के साथ खुद्द को व्यस्त रखना जारी रखते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, डिजिटल उद्योग में और भी क्रांति आएगी। नतीजतन, जीवन और पढ़ने–लिखने की आदतों में बदलाव आए हैं, और आगे भी आयेंगे।

किताबें मनुष्य का सबसे अच्छा दोस्त माना जाता है। हालाँकि, आज की व्यस्त दुनिया में बहुत कम लोग हैं जो किताबें पढ़ते हैं। किताबें पढ़ना वास्तव में एक ऐसी आदत नहीं है जिसे मनोरंजन से जोड़ा जाना चाहिए। इसके बजाय, आपको इसे अपने दैनिक कार्यक्रम में शामिल करना चाहिए। यह देखते हुए कि किताबें लोगों को खुश करती हैं। जब पूछा जाता है कि उन्होंने आखिरी बार कब किताब पढ़ी थी, तो अधिकांश लोग हैरान दिखेंगे। स्कूल और कॉलेज में नामांकित छात्रों के अलावा, यह सवाल कामकाजी युवाओं द्वारा भी पूछा जाता है जो स्नातक होने के बाद अपने भविष्य को निर्धारित करने में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं। आज की व्यस्त दुनिया में, लोग पढ़ने से परहेज कर रहे हैं। दुनिया के हर सफल और प्रशंसनीय व्यक्ति को किताबें पढ़ने की आदत होती है। किताबें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त मानी जाती हैं। नियमित रूप से पढ़ना न केवल आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा है, बल्कि यह आपके ज्ञान को भी बढ़ाता है। यह जीवन और विचारों के प्रति व्यक्ति के दृष्टिकोण को भी बदलता है। इंटरनेट चाहे कितना भी लोकप्रिय क्यों न हो जाए, किताबें पढ़ना हमेशा सबसे अच्छा विकल्प रहेगा। किताबें पढ़ने के फायदों की बात करें तो वे बहुत हैं। जब आप कोई किताब पढ़ते हैं, तो आपका ध्यान एक क्षेत्र पर केंद्रित होता है। हर दिन पढ़ने की आदत से फोकस बेहतर होता है। किसी प्रोजेक्ट पर काम करने का मन भी करता है। अखबारों में राजनीति, विज्ञान, तकनीक, कला और संस्कृति सहित कई विषयों पर लेख प्रकाशित होते हैं, साथ ही जाने–माने लेखकों और विषय विशेषज्ञों के लेख भी होते हैं। नियमित रूप से पढ़ने वाले बच्चों को नया ज्ञान प्राप्त करने का मौका मिलता है।

ज्ञान की कमी के कारण आपको कई स्थितियों में चुप रहना पड़ता है। आप स्पष्ट रूप से बोलने में असमर्थ होते हैं या ऐसा करने में बहुत शर्म महसूस करते हैं। पढ़ने से ज्ञान और जानकारी बढ़ती है। जिसके आधार पर आप किसी भी विषय पर कहीं भी, किसी से भी चर्चा कर सकते हैं। किताबें पढ़ने से बोलने और संवाद करने का आत्मविश्वास बढ़ता है। कहा जाता है कि अच्छा लिखना, अच्छे बोलने से ही संभव होता है। किताबें पढ़ने से आप उन विचारों और रणनीतियों के बीच सम्बंधा बनाना शुरू कर देते हैं, जिन पर वे चर्चा करते हैं अपने जीवन में। आप उन्हें उसी समय अपने जीवन में लागू करना शुरू कर देते हैं। आप किसी डरावनी या दुविधापूर्ण उपन्यास को पढ़ते ही उसके पात्रों और घटनाओं की कल्पना करना शुरू कर देते हैं। फिर आप उपन्यास को पूरा पढ़े बिना ही उसके अंत को समझने की कोशिश करने लगते हैं। वर्तमान पीढ़ी को समाचार पत्र पढ़ना सिखाना चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि वे या तो अपने उपकरणों से मोहित हो जाते हैं या फिर फिक्शन पढ़ना पसंद करते हैं। समाचार पत्रों में तथ्यात्मक प्रस्तुति उनमें से अधिकांश के लिए थकाऊ और थका देने वाली होती है। हालाँकि, आप कुछ नए विचारों को लागू करके समाचार पत्र पढ़ना अपने बच्चे के पसंदीदा शगल में से एक बना सकते हैं और एक बार जब वह आदत विकसित कर लेता है, तो यह जीवन भर बनी रहेगी।

उपन्यास या कहानी की किताब पढ़ने के बाद आप उसके किरदार और सेटिंग को बहुत लंबे समय तक याद रख पाते हैं। रोजाना पढ़ने से आपकी याददाश्त और याददाश्त बेहतर होती है। हर दिन आपकी याददाश्त बेहतर होती जाती है। इस तरह दिमाग का विकास होता है। आपने शायद यह कहावत पढ़ी या सुनी होगी कि अगर आपको नींद नहीं आ रही है, तो सोने के लिए किताब पढ़ना शुरू कर दें। रात को सोने से पहले किताब पढ़ने से आपका दिमाग थका हुआ महसूस करता है और आपके दिमाग की नसों को आराम मिलता है, जिससे अच्छी नींद आती है। इसलिए, आराम से सोने के लिए हर दिन सोने से पहले पढ़ने की आदत डालें। एक इंसान की सच्ची दोस्त एक किताब होती है। वे आपके अकेलेपन से छुटकारा पाने में आपकी मदद करती हैं। जब भी आप बोर या अकेले हों, आपको पढ़ना चाहिए। नियमित रूप से पढ़ने से आपको नई ऊर्जा मिलती है। आपका मूड बदलता है और परिणामस्वरूप आप अधिक आराम महसूस करते हैं। यह जरूरी है कि युवा लोग समझें कि इंटरनेट मुख्य रूप से ज्ञान के बजाय सूचना के स्रोत के रूप में काम करता है। इसलिए, इसे केवल सूचना तक ही सीमित रखना चाहिए। इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के दृष्टिकोण अलग–अलग होते हैं और युवा लोगों के अकेलेपन को आसानी से महसूस किया जा सकता है। दूसरी ओर, किताबें युवाओं को अधिक कल्पनाशील बनने में मदद कर सकती हैं। यह पहले भी देखा गया था। यह संभव है कि पुरानी पीढ़ी वर्तमान पीढ़ी की तुलना में अधिक विनम्रता और नरमी से सोचती और व्यवहार करती थी। वास्तविक जीवन में, आभासी दुनिया से लगाव के कारण रिश्ते और संपर्क कम होते जा रहे हैं। यह एक नया जोखिम पैदा करता है। इसके अतिरिक्त, कुछ स्थानों पर चेतावनी के संकेत सामने आने लगे हैं। इस मामले में माता–पिता को ऐसा करना होगा।

बुद्धि के विकास के अनुसार, आने वाले वर्षों में यह एक संकट बन जाएगा, क्योंकि दस साल बाद, बारह से बीस वर्ष की आयु के ये युवा और भी बड़े हो चुके होंगे और अगर उन्हें कोई ज्ञान नहीं होगा तो वे अगली पीढ़ी को क्या सिखा पाएंगे? इस पर चर्चा करते समय, युवा पीढ़ी के कुछ लोग अक्सर दावा करते हैं कि वे अपने मोबाइल डिवाइस पर वही सामग्री प्राप्त कर सकते हैं जो मध्यम आयु वर्ग और वृद्ध लोग समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में पढ़ते हैं। हालाँकि यह सच है, उन्हें इस बात पर विचार करना चाहिए कि क्या वे उस मोबाइल डिवाइस का उपयोग आर्थिक नीति, रक्षा या शिक्षा के बारे में पढ़ने के लिए करते हैं, या क्या वे इसका उपयोग समाचारों या चमक–दमक वाले, ग्लैमराइज्ड, सतही मनोरंजन की क्षमता पर शोध करने के लिए करते हैं।

खाना बनाने आई थी कामवाली, युवक की नीयत बिगड़ गई, दोस्त के साथ मिलकर किया रेप

संवाददाता–देवरिया। एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक घर में खाना बनाने गई महिला के साथ 2 लोगों ने रेप किया। बुधवार की सुबह महिला ने पुलिस को तहरीर देते हुए दोनों आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। उधर, घटना की जानकारी होते ही पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी मौके पर पहुंचे और पीड़िता से जानकारी ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

ये मामला भलुअनी उपनगर के नंदा नगर वार्ड का है। जहां बलिया जिले रेवती थाना क्षेत्र स्थित झरकहा गांव का रूपेश सिंह किराए पर रहता है। वह मछली का व्यवसाय करता है। पीड़िता उसी के घर खाना बनाने का कार्य करती है। मंगलवार की शाम वह खाना बनाने गई तो रूपेश की नीयत डोल गई। वह जोर जबरदस्ती करने लगा। इसी बीच भलुअनी का ही रहने वाला उसका दोस्त अभिमन्यु सिंह भी पहुंच गया। दोनों ने महिला के साथ रेप कर दिया। किसी तरह वहां से भागकर महिला घर पहुंची और बुधवार सुबह इस घटना की जानकारी थाने में दी। नामजद तहरीर मिलने के बाद थानाध्यक्ष अजय कुमार पांडेय ने सबसे पहले दबिश देकर आरोपियों को हिरासत में ले लिया।

दोपहर को पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर सिंह और सीओ आदित्य कुमार गौतम भी पहुंचे। उन्होंने पीड़िता और आरोपियों का अलग–अलग बयान लिया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि तहरीर के आधार पर दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। महिला आरोपी के घर खाना बनाने गई थी। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर भेजा गया है।

संविदा कर्मियों की छंटनी का विरोध, आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता–बलरामपुर। विद्युत संविदा मजदूर संगठन की ओर से तुलसीपुर में बैठक आयोजित कर मध्यांचल विद्युत वितरण निगम द्वारा संविदा कर्मियों की 30 प्रतिशत छटनी के आदेश का कड़ा विरोध किया गया। कर्मियों ने इस पर निर्णय लिया कि यदि विभाग इस आदेश को वापस नहीं लेता है तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

बैठक को संबोधित करते हुए संगठन के प्रांतीय प्रभारी पुनीत राय ने कहा कि 2017 के पुराने आदेश को वर्तमान परिस्थितियों में लागू करना असंवेदनशील और अव्यावहारिक है। 2017 में विद्युत मांग 14 हजार मेगावाट थी, जो अब बढ़कर 29 हजार मेगावाट हो चुकी है। बावजूद इसके संविदा कर्मियों की छंटनी किया जाना पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। प्रकाश नाथ ने कहा कि वर्तमान में संविदा कर्मियों से 16 से 18 घंटे तक कार्य लिया जा रहा है, जबकि 2017 में उनकी जिम्मेदारियाँ सीमित थीं। अब उन्हें लाइन मेंटेनेंस, बिलिंग, राजस्व वसूली, उपभोक्ता सेवाएं, ट्रांसफार्मर चढ़ाने–उतारने आदि का कार्यभार भी सौंपा जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि समय–समय पर सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के कार्य इन्हीं संविदा कर्मियों से कराए जाते हैं। बावजूद इन कर्मियों की छंटनी का निर्णय पूरी तरह अनुचित और प्रबंधन की विफलता को दर्शाता है। जिला महामंत्री दयाशंकर सिंह ने घोषणा किया कि यदि छंटनी का आदेश वापस नहीं लिया गया, तो 10 फरवरी को संगठन एक विशाल सत्याग्रह करेगा। इस मौके पर जिलाध्यक्ष विष्णु कुमार सिंह, उपाध्यक्ष देवेंद्र यादव, कार्यवाहक अध्यक्ष विशाल गुप्ता, महामंत्री दयाशंकर सिंह, संगठन मंत्री विशाल मिश्रा, रवि सिंह भवानी, मंगल देव सिंह, अनिल श्रीवास्तव, भगवती प्रसाद पांडेय, राजेश सिंह, अरविंद श्रीवास्तव आदि लोग मौजूद रहे।

मनबढ़ों ने किया सरकारी जमीन पर कब्जा, हटवाने को दी तहरीर

संवाददाता–बलरामपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र अन्तर्गत कम्मरपुर निवासी मोहम्मद सगीर पुत्र मोहम्मद जहीर ने मनबढ़ों के विरुद्ध सरकारी जमीन पर कब्जा करने की तहरीर थाने पर दी है। उन्होंने बताया कि आधा दर्जन लोगों ने ग्राम समाज की भूमि पर पक्का निर्माण कर लिया है। प्रार्थना–पत्र देने पर एसडीएम ने पैमाइश का आदेश दिया था। मनबढ़ों ने राजस्व कर्मियों को पैमाइश नहीं करने दिया। उनके वापस लौटते ही मोहम्मद सगीर को गालियां दी। कहा कि एक दिन उनकी हत्या कर दी जाएगी। मोहम्मद सगीर का आरोप है कि अवैध कब्जा धारकों को रसूखदार का सह प्राप्त है। वे गिरोह बनाकर सरकारी जमीनों पर कब्जा करते हैं। जमीन से सम्बन्धित सूचना मांगी गई, लेकिन उसे भी देने से इंकार कर दिया गया। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि प्रकरण संज्ञान में आया है। मामले की जांच कराई जा रही है। केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

बिजली कनेक्शन देने के लिए आठ हजार रुपये की रिश्वत लेते एसएसओ गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्डा। भ्रष्टाचार निवारण संगठन की गोंडा टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को आवास विकास विद्युत वितरण खंड प्रथम के एसएसओ अम्ब्रेश श्रीवास्तव को आठ हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। पकड़े गए एसएसओ को कोतवाली लाया गया है। इसके बाद परिजनों ने कोतवाली में हंगामा किया। भ्रष्टाचार निवारण संगठन की गोंडा टीम के प्रभारी धनंजय सिंह से जिले के धानेपुर थाने के रेतवागाड़ा निवासी संजीव कुमार शुक्ला ने विद्युत कनेक्शन के एवज में रुपये मांगने की शिकायत की थी। इस मामले में टीम ने यशमय इंटर नेशनल स्कूल के सामने अल–सबाब सैलून पर आठ हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए एसएसओ को पकड़ा है। एसएसओ अंबेडकरनगर जिले के कोतवाली अकबरपुर के मकान नंबर 134 अकबरपुर तमसा मार्ग के निवासी है। गिरफ्तार करने के बाद टीम उन्हें कोतवाली लेकर आई। इसके बाद परिजनों ने कोतवाली में हंगामा किया। पुलिस ने हंगामा कर रहे लोगों को कोतवाली से बाहर कर दिया है।

यात्री ने परिचालक को पीटा, 37 सौ रुपये छीने

संवाददाता–देवरिया। कोतवाली सलेमपुर में देवरिया डिपो की एक बस के परिचालक ने एक यात्री पर मारने पीटने एवं बैग से 37 सौ रुपये छीन लेने का आरोप लगाया है। उसका आरोप है कि मनबढ़ यात्री ने कुछ दोस्तों को बुलाकर बस पर ईट पत्थर भी चलाये। देवरिया डिपो के परिचालक शिवम राजपूत ने कोतवाली पुलिस को दिए तहरीर में कहा है कि वह यूपी 52 एटी 9372 देवरिया डिपो का संचालन कर रहा था। एक यात्री सलेमपुर का टिकट लेकर नवलपुर जा रहा था। उसे बोला नवलपुर का टिकट ले लीजिए तो बोला बिना टिकट ले चलो। फिर भी मैंने टिकट निकाल दिया। टिकट लेने की बात कहने पर यात्री ने आगे देखने की धमकी दी। जैसे ही बस धनौती ढ़ाला के समीप पहुंची उसने तीन अन्य लोगों को बुलाकर मारना–पीटना शुरू कर दिया और बैग से 37 सौ रुपये निकाल लिये। मनबढ़ों ने बस पर ईंट–पत्थर भी चलाए जिससे पीछे खड़ा एक यात्री घायल हो गया।

दूसरी पत्नी ने पति के साथ मिलकर की थी सौतन की हत्या

संवाददाता–बलरामपुर। शबनम ने पति जमील अहमद के साथ सौतन शमशुल्निशा को मौत के घाट उतारा था। शबनम के कोई संतान नहीं है। जिसको लेकर शमशुल्निशा उसे ताने मारती थी। तंग आकर जमील अहमद व शबनम ने मिलकर शमशुल्निशा को रास्ते से हटा दिया। घटना को मोड़ने के लिए जमील अहमद ने शबनम को हल्का चाकू मारकर मेमोरियल चिकित्सालय में भर्ती करा दिया था। हत्याभियुक्त पति पत्नी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है। अन्य वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर दम्पत्ति की गिरफ्तारी हुई है। घटना 26 जनवरी की रात कोतवाली नगर क्षेत्र के कटराशंकरनगर गांव में हुई थी। पुलिस ने सफल अनावरण के लिए टीम को 25 हजार रुपए का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है।

पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि कटराशंकरनगर निवासी जमील अहमद पुत्र मोहम्मद शफी ने 26 जनवरी को कोतवाली नगर में अपनी पहली पत्नी की हत्या का केस दर्ज कराया था। कहा था कि वह साढ़े नौ बजे रात को खेत पर सोने चले गए थे। उनकी दूसरी पत्नी शबनम ने फोन पर बताया कि कोई व्यक्ति घर में घुस आया है। वह धारदार चाकू से हमला कर रहा है। जमील ने तहरीर में कहा था कि वह भागकर घर पहुंचे तो देखा कि शमशुल्निशा खून से लतपत जमीन पर पड़ी हुई है। दूसरी पत्नी शबनम को भी चाकू लगा है। वह कमरे में सिटकिनी लगाकर गोहार लगाती रही और बेहोश हो गई। दोनों को एंबुलेंस से मेमोरियल चिकित्सालय लाया गया। चिकित्सक ने शमशुल्निशा को मृत घोषित कर दिया। दूसरी पत्नी शबनम का इलाज अस्पताल में कराया गया। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने एएसपी नम्रिता श्रीवास्तव, सीओ ज्योतिश्री व कोतवाली नगर के प्रभारी निरीक्षक शैलेश कुमार सिंह को घटना राजफाश की जिम्मेदारी सौंपी। सहयोग के लिए सर्विलांस सेल, एसओजी व फील्ड यूनिट को लगाया गया। पुलिस ने घटना स्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए। तमाम हाथ पैर मारने के बावजूद कातिल का पता नहीं चल पा रहा था। शक की सुई जमील अहमद व शबनम पर ही ठहर रही थी। विवेचना के दौरान तमाम सबूत ऐसे पाए गए जिससे घटना को अंजाम देने में जमील व शबनम के शामिल होने की पुस्टि हुई। दोनों से सघन पूछताछ होती रही पर वे अपना गुनाह कबूल करने को तैयार नहीं थे। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त चाकू, घटना के दौरान पहने कपड़े, जूते दिखाए तो उनके होश उड़ गए। उन्होंने घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार कर ली।

प्रयागराज हादसे में मृतकों व घायलों की सूची मुहैया कराएं

संवाददाता–गोण्डा। कांग्रेसियों ने मौनी अमावस्या पर प्रयागराज में हुई भगदड़ में मृतकों एवं घायलों की सूची जारी करने की मांग की है। मंगलवार को निवर्तमान जिलाध्यक्ष प्रमोद मिश्र के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट में विरोध प्रदर्शन कर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन डीएम के माध्यम से सूबे की सरकार पर निशाना साधा है। जिलाध्यक्ष प्रमोद मिश्र ने बताया कि प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर महाकुंभ संगम प्रयागराज में मौनी अमावस्या पर्व पर हुए हादसे में घायल और असमय काल के गाल में जाने वालों की सूची जारी करने की मांग को लेकर डीएम कार्यालय पर कांग्रेस जनों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। जिसमें घायलों और मृतकों की सूची अविलंब जारी करने की मांग की,साथ ही घटना के जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की।

अपार में सिरदर्द बने बिना आधार पर जन्मतिथि वाले बच्चे

संवाददाता–महराजगंज। कक्षा एक से 12वीं तक बच्चों का वन नेशन, वन स्टूडेंट आईडी बनाने के लिए अनिवार्य अपार सिस्टम की खामियों की वजह से सिरदर्द बनता जा रहा है। स्थिति यह है कि प्रशासन की लाख कोशिश के बाद भी अभी तक जिले में 49 फीसदी छात्रों की अपार आईडी बन पाई है। बड़ी समस्या बिना आधार व जन्मतिथि प्रमाण पत्र वाले बच्चे हैं। अपार में जन्मतिथि प्रमाण पत्र को अनिवार्य कर दिया गया है। विभागीय दबाव में प्रधानाध्यापक व अभिभावक जन्म प्रमाण पत्र का आवेदन तहसीलों में दिए हैं। तहसील से जन्म प्रमाण पत्र जारी होने में एक माह की वेटिंग है।

जिले में 12वीं कक्षा तक छात्रों की कुल संख्या 5 लाख 10 हजार 514 है। इसमें से मंगलवार तक 2 लाख 50 हजार 802 छात्रों का ही अपार आईडी बन पाई है। परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले 86 फीसदी व एडेड विद्यालय में 80 फीसदी बच्चों की अपार आईडी बन गई है। प्राइवेट, मदरसा व समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित विद्यालयों की अपार की प्रगति बेहद खराब है। प्राइवेट विद्यालयों में अभी 18 फीसदी, मदरसा में 16 व समाज कल्याण के स्कूलों में अभी तक 24 फीसदी ही अपार आईडी बन पाई है। निचलौल तहसील क्षेत्र के मुसहर बाहुल्य गांव कलनहीं खुर्द, चरभरिया, चंदा गुलरभार, डोमा, बढ़या मुस्तकीम, लेदी, बजहा अहिरौली, पिपरपाती, रामचंद्रही आदि गांवों के सैकड़ों बच्चों का आधार कार्ड नहीं है। इसमें ने कुछ बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवेदन एसडीएम कार्यालय में जमा है। स्थिति यह है कि बीते 31 दिसंबर को जमा आवेदन पत्रों पर अभी तक जन्म प्रमाण पत्र नहीं जारी हो पाया है। जन्म प्रमाण पत्र जारी होने के बाद आधार बनेगा। इसमें भी वक्त लग रहा है। अपार आईडी को लेकर कार्रवाई की लटकी तलवार को देख शिक्षक बिना आधार व जन्म प्रमाण पत्र वाले बच्चों का स्कूल का नाम काटना शुरू कर दिए हैं। निचलौल ब्लाक में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा मुहैया कराया गया मशीन पिछले एक साल से पुलिस के कब्जे में है। फर्जी आधार कार्ड बनाने में मशीन पकड़ी गई थी। एक शिक्षक भी निलंबित हुआ था। पुलिस की कस्टडी में मशीन होने से भी आधार नहीं बन पा रहा है। निचलौल क्षेत्र के एक शिक्षक का कहना है कि एक माह से वह चाक–डस्टर हाथ में नहीं पकड़े हैं। पूरा स्कूल मोबाइल से चल रहा है। जन्म प्रमाण पत्र के लिए सेक्रेटरी को ढूंढना टेढ़ी खीर है। परिषदीय विद्यालय में पढ़ने वाले मुसहर समुदाय के बच्चों के अभिभावक मजदूरी पेशा हैं। वह बच्चों का आधार या जन्मतिथि बनवाने के लिए ब्लाक या तहसील पर जाने को तैयार नहीं है। बच्चों का आधार या जन्म प्रमाण पत्र बनाने के लिए स्कूल छोड़ने पर कार्रवाई का डर अलग से है। प्रशासन शिक्षकों पर दबाव बना रहा है। जिलाधिकारी को चाहिए कि वह रोजाना तहसीलों पर आने वाले प्रार्थना पत्र व जन्म प्रमाण पत्र जारी करने की मानीटरिंग करें। वहीं शिकंजा कसने से अपार की रफ्तार बढ़ेगी। डॉ.प्रदीप कुमार शर्मा, प्रभारी बीएसए ने कहा कि अपार को लेकर लगातार समीक्षा की जा रही है। डीएम व सीडीओ का भी सहयोग लिया जा रहा है। कुछ अभिभावकों ने बच्चों के नाम में संशोधन करा दिया है। कुछ का नाम दो स्कूलों में प्रदर्शित हो रहा है। सभी समस्याओं का समाधान का प्रयास किया जा रहा है।

अवध के 14 कर्मचारियों को मां पाटेश्वरी विश्वविद्यायल से संबद्ध

संवाददाता–बलरामपुर। मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय के संचालन की तैयारियां जोरशोर से की जा रही हैं। कार्यों में तेजी लाने के लिए अवध विश्वविद्यालय अयोध्या के 14 कर्मचारियों को मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय बलरामपुर से संबद्ध किया गया है। अवध विश्वविद्यालय के कुल सचिव ने तीन दिवस के भीतर सभी कर्मचारियों को कार्यभार ग्रहण करने का निर्देश दिया है। इसी क्रम में देवीपाटन मंडल के 167 महाविद्यालयों को मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय से संबद्ध करने की प्रक्रिया भी चल रही है।

अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के निर्देश पर 14 कर्मचारियों को मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय से संबद्ध किया गया है। इन कर्मचारियों को तीन दिवस के भीतर कार्यभार ग्रहण करने का निर्देश जारी किया गया है। कर्मचारियों के कार्यभार ग्रहण करने के बाद कार्यों को सम्पादित करने में तेजी आएगी। अभी तक इन कर्मचारियों के न होने से कई कार्य प्रभावित हो रहे थे। मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय बलरामपुर के कुल सचिव व अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रमोद कुमार ने बताया कि अवध विश्वविद्यालय के 14 कर्मचारियों को यहां से संबद्ध किया गया है। इसमें सहायक कुल सचिव के रूप में डॉ वीरेन्द्र कुमार वर्मा को यहां भेजा गया है। इसके अलावा आशु लिपिक मनोज कुमार, वरिष्ठ सहायक मनोज कुमार त्रिपाठी व मुकुल सिंह तथा कनिष्ठ सहायक के रूप में जितेन्द्र सागर व सुभाष चन्द्र विश्वकर्मा को संबद्ध किया गया है। जबकि स्टोर कीपर के रूप में अमरीश प्रताप सिंह, कम्प्यूटर ऑपरेटर प्रेम सागर, संतोष कुमार शुक्ल तथा दो अन्य लिपिक नीरज सिंह व अंशुमान सिंह को अवध विश्वविद्यालय से मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय से संबद्ध किया गया है। इसी तरह एक चालक सत्य नरायन यादव व अंचर कौशर किशोर सिंह तथा शिव बहादुर यादव को भी यहां से संबद्ध किया गया है। इनके आने से कार्यों में तेजी आएगी।

जिले में 24 फरवरी से शुरू हो रही दशवीं व बारहवीं की परीक्षाएं

संवाददाता–बहराइच। यूपी बोर्ड परीक्षा को लेकर परीक्षा केंद्रों पर उत्तर पुस्तिकाएं भेजने का सिलसिला शुरू हो गया है। तीन चरणों में सुरक्षित उत्तर पुस्तिकाएं भेजने का खाका डीआईओएस मनोज कुमार अहिरवार ने तैयार किया है। पले दो चरण की पुस्तिकाएं केंद्रों पर पहुंच गई हैं। केंद्रों पर उत्तर पुस्तिकाओं को स्ट्रांग रूम में रखने के निर्देश दिए गए हैं। जिले में 24 फरवरी से 125 परीक्षा केंद्रों पर दशवीं व बारहवीं की परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। दोनों कक्षाओं में 63 हजार से अधिक परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। डीआईओएस ने बताया कि उत्तर पुस्तिकाओं के वितरण क लिए तीन चरण निर्धारित किए गए हैं। पहले चरण में दुरस्थ परीक्षा केंद्र मिहींपुरवा, बलहा, शिवपुर, नवाबगंज महसी, दूसरे में जरवल, कैसरगंज, फखरपुर, विशेश्वरगंज व तीसरे चरण में तेजवापुर, चित्तौरा, रिसिया व सदर क्षेत्र के परीक्षा केंद्रों पर कापियां भेजी जा रही है। उन्होंने बताया कि सिर्फ प्रश्नपत्रों की सुरक्षा नहीं बल्कि नाइट विजन कैमरे की निगरानी में उत्तरपुस्तिकाएं भी स्ट्रांग रूम में रखी जा रही हैं। समय–समय पर एसडीएम व विभागीय अधिकारी इसकी शुचिता को भी परखेंगी। लापरवाही पर संबंधित प्रधानाचार्य व केंद्र व्यवस्थापकों पर कार्रवाई की जाएगी।

भौतिकी के छात्रों ने दुनिया में लहराया है परचम

संवाददाता–गोंडा। शहर के एलबीएस पीजी कॉलेज के विज्ञान परिसर में बुधवार को भौतिक विभाग की ओर से एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन कर हुई। प्रो. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भौतिक शास्त्रियों ने देश के विकास के साथ विदेशों में भी अपनी प्रतिभा से देश का परचम लहराया है। कोई भी ऐसा विकसित देश नहीं जहाँ भारतीय वैज्ञानिक अपना योगदान न दे रहे हो। सेमिनार में 35 एमएससी भौतिक विज्ञान के छात्रों ने अपने लघु शोध पत्र प्रस्तुत किए। असिस्टेंट प्रो. संतोष कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि ईश्वर के बाद विज्ञान ही है जो असंभव कार्य को संभव करता है। सेमिनार में डॉ. देव नारायण पांडे, डॉ. अवनीश मिश्रा, शोभित मौर्य, अनुराधा गुप्ता ने भविष्य में भौतिकी के क्षेत्र में कैरियर के अवसर पर विद्यार्थियों को जानकारी दी गई।

कोचिंग पढ़ने जा रही छात्राओं को बाइक ने मारी टक्कर, तीन घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। कटरा मथुरा मार्ग पर कोचिंग पढ़ने पैदल आ रही दो छात्राओं व एक छात्र को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। इससे तीनों गंभीररूप से घायल हो गए। तीनों स्कूली छात्र–छात्राओं को एंबुलेंस से परिजनों ने सीएचसी इकौना में भर्ती कराया। नवीन मॉडर्न थाना श्रावस्ती के ग्राम राजगढ़ गुलरिहा निवासिनी छात्रा राधिका सिंह 16 वर्ष पुत्री हंसराज सिंह व शिखा सिंह 17 वर्ष पुत्री अनिल सिंह तथा छात्र किशोर देवेंस प्रताप सिंह 15 वर्ष पुत्र देवेंन्द्र प्रताप सिंह कटरा मथुरा रोड पर स्थित एक स्कूल में कोचिंग पढ़ते हैं। बुधवार सुबह छात्रा राधिका सिंह व शिखा सिंह राजगढ़ गुलरिहा से पैदल स्कूल की ओर आ रही थीं। इनके साथ ही छात्र देवांस प्रताप सिंह साइकिल से कोचिंग पढ़ने आ रहा था।

इसी बीच कटरा बाजार निवासी 17 वर्षीय किशोर मोहम्मद सावेश पुत्र मोहम्मद उमर किसी दूसरे की बाइक लेकर मथुरा कटरा बाजार मार्ग पर निकला। बाइक सवार ने साइकिल सवार किशोर को टक्कर मारते हुए छात्राओं को टक्कर मारकर घायल कर दिया। सूचना पर छात्र छात्राओं के परिजनों मौके पर पहुंचे तो बाइक सवार के परिजन बवाल करने लगे। इसी बीच पुलिस आ गई तो बाइक सवार के परिजन मौके से फरार हो गए। तीनों घायलों को सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया,जहां उपचार किया जा रहा है।

साध्वी सुमन पाठक बनीं प्राचीन सरयू मंदिर की महंत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या धाम में नागेश्वरनाथ मंदिर के निकट स्थित प्रतिष्ठित पीठ प्राचीन सरयू मंदिर का महंत साध्वी सुमन पाठक को बनाया गया। जिन्हें एक महंताई समारोह के दरम्यान साधुशाही परंपरानुसार संतों ने कंठी, चादर, तिलक देकर महंती की मान्यता प्रदान किया। अपनी ताजपोशी से साध्वी बहुत ही अभिभूत दिखी। इस अवसर पर प्राचीन सरयू मंदिर की नवनियुक्त महंत साध्वी सुमन पाठक ने बताया कि मंदिर की महंत रही गिरिजा देवी उर्फ इंद्रानी की लगभग 10 वर्ष पूर्व मृत्यु हो गई थी। उसके बाद उनके स्थान पर प्राचीन सरयू मंदिर में महंती नही हुई। महंत गिरिजा देवी की मृत्यु के उपरांत मंदिर का पूजा–पाठ, भोग–राग, उत्सव–समइया वह अपने पिता जयजय राम पाठक की निगरानी में संपादित कर रही थी। मंदिर की महंती न होने के कारण तमाम असुविधाएं रहीं। बुधवार को साकेतवासी महंत गिरिजा देवी की पुण्यतिथि के भंडारे में उपस्थित तमाम संत–महंत व संभ्रांत व्यक्तियों द्वारा सर्व सहमति से मुझे प्राचीन सरयू मंदिर व उससे संबंधित अन्य सम्पत्ति का महंत घोषित किया गया है। जयजय राम पाठक ने बताया कि रामानंदी संप्रदाय के रीति–रिवाज अनुसार संत–महंत व संभ्रांत व्यक्तियों ने कंठी, चादर, तिलक देकर साध्वी सुमन पाठक को स्व. गिरिजा देवी की उत्तराधिकारी होने की घोषणा किया। अब से साध्वी सुमन पाठक ही प्राचीन सरयू मंदिर की महंत होंगी। अंत नवनियुक्त महंत साध्वी सुमन पाठक ने आए हुए संत–महंतों एवं विशिष्टजनों का स्वागत–सत्कार कर भेंट, विदाई दिया। महंती समारोह में हनुमत हरिराम सदन के महंत रामलोचन शरण, गहोई मंदिर महंत रामलखन शरण, करतलिया भजनाश्रम के महंत रामदास बालयोगी, नया मंदिर शीशमहल के महंत रामलोचन शरण, महंत रामभद्र शरण, महंत छोटू शरण, महंत प्रभाकर शरण, महंत कन्हैया दास, महंत दिनेश दास, महंत शशिकांत दास, शिवम दास, कविराज दास, प्रिंस दास, विकास शुक्ल, अमित दास, मयंक दास, अभिनंदन दास, राजेश दास, कौशल पांडेय, आशुतोष त्रिपाठी, हर्षित दास, वैदेही शरण, विपिन दास, यश दास, विभोर दास, विनय दास, महेंद्र त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

नेपाल में अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव तस्करों की मौजूदगी का पता लगाने में जुटी खूफिया

संवाददाता–बहराइच। सेंचुरी क्षेत्र में पहले नेपाली शिकारियों ने वन चौकी जलाई फिर बाघ व अब तेंदुए की शव बरामदगी से वन विभाग ही नहीं सुरक्षा एजेंसियों की भी नींद उड़ी है। ऊपर से वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरे के इनपुट से सीमा पर एसएसबी व वन विभाग ज्वाइंट ऑपरेशन भी शुरू किया है। सरहदी व सेंचुरी की सुरक्षा बढ़ाने के साथ ही नेपाल में सक्रिय हो रहे अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव तस्करों की इनपुट के आधार पर सुरक्षा एजेंसियां खंगाल रही हैं। नेपाल सीमा से के समानांतर आबाद कतर्नियाघाट सेंचुरी क्षेत्र में विचरण करने वाले दुर्लभ वन्यजीवों के शिकार पर अंतरराष्ट्रीय तस्करों की नजरें गड़ी हुई हैं। पहले बाघ और अब तेंदुए के शव मिलने व पोस्टमार्टम के दौरान जहर की आशंका के बीच वन विभाग की शंका को सुरक्षा एजेंसियां हल्के में नहीं ले रही हैं। सीमा के अंदर भारतीय क्षेत्र में पुलिस टीम चौकसी बरत रही है, तो वनकर्मियों की टीम एसएसबी जवानों संग बार्डर पर गश्त कर रही है, जबकि सुरक्षा एजेंसियां वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो के इनपुट पर नेपाल में तस्करों की कुंडली व उनकी मौजूदगी को लेकर मुखबिरों का जाल बिछाया है। वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि बाघ व तेंदुए के शिकार के लिए जहरीला पदार्थ खिलाने से भी इनकार नहीं किया जा सकता है, हालांकि विसरा रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आ सकते हैं। क्योंकि बाघ का शव गेरुआ नदी के उस स्थान से बरामद किया गया है,जहां पानी भरा हुआ था। कतर्निया फ्रेंड्स क्लब के अध्यक्ष बीडी लखमानी बताते हैं कि शिकार करने के बाद बाघ व तेंदुआ चले जाते हैं। दोबारा आकर उसे खाते हैं।

डीएफओ ने बताया कि सेंचुरी क्षेत्र के वन्यजीवों की सुरक्षा उनकी प्राथमिकता है। ब्युरो की रिपोर्ट के आधार पर नेपाल के वनाधिकारियों से भी संपर्क किया गया है। वनकर्मी व एसएसबी की टीम लगातार उन स्थानों पर गश्त कर रही हैं,जिधर से शिकारियों के आने की संभावना रहती है। रात को 11 बजे भी सातों रेंजरों से कान कॉल फीडबैक लिया जा रहा है, ताकि संवाद बना रहे, इनपुट मिलने पर त्वरित कदम उठाया जाएगा।

सीमा से लगे पांच थाने हैं। इन थानों को भी अलर्ट किया गया है। वनचौकी फूंके जाने की घटना के बाद से ही पुलिस अधिकारी भी फीडबैक ले रहे हैं। एएसपी ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी ने बताया कि पहले से ही सतर्कता बरती जा रही है। नेपाल से आने वाले लोगों की पुलिस आईडी जांच रही है। संदिग्धों को भी चिंहित किया जा रहा है।

बी शिवशंकर, डीएफओ, कतर्नियाघाट ने कहा किइनपुट के आधार पर सेंचुरी क्षेत्र का सुरक्षा घेरा मजबूत किया गया है। 24 घंटे टीम गश्त कर रही है। सुरक्षा एजेंसियों को भी समय–समय पर मिलने वाले इनपुट को साझा किया जा रहा है।

ट्राली टेम्पो भिड़ंत में चालक ने भी तोड़ा दम, मृतकों की संख्या दो हुई

संवाददाता–श्रावस्ती। सोनवा थाना क्षेत्र के रतनापुर में मंगलवार शाम को हुई दुर्घटना में मृतकों की संख्या दो हो गई है। टेम्पो चालक अखिलेश ने एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जबकि तीन लोगों का इलाज कराया जा रहा है। जबकि पांच लोगों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। सोनवा थाना क्षेत्र के ककन्धू निवासी चालक अखिलेश पुत्र निर्मल वर्मा मंगलवार देर शाम टेम्पो में सवारी बैठा कर बहराइच से भिनगा जा रहा था। भिनगा बहराइच फोरलेन पर रतनापुर पहुंचा तेज गति में होने के कारण टेम्पो सड़क के किनारे खड़ी ट्रैक्टर ट्राली से पीछे से टकरा गया। इससे टेम्पो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। भीषण दुर्घटना में टेम्पो चालक अखिलेश के साथ ही टेम्पो में बैठी सवारी भिनगा के टंडवा बनकटवा निवासी जाकिर अली पुत्र छेदी, महिला संतोषिया उम्र 70 साल, खतीजा पत्नी जाकिर निवासी टंडवा, बुग्गन निवासी टंडवा, सुमन वती निवासी बेलहरी, अल्तमश पुत्र अतीबुर्रहमान, त्रिवेनी निवासी बेलहरी, अरमान पुत्र इस्लाम निवासी टंडवा व राज प्रसाद निवासी बेलहरी थाना सिरसिया गंभीररूप से घायल हो गए।

पंचायत उपचुनाव के नियमों से पारंगत हुए आरओ व एआरओ

संवाददाता–बहराइच। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रशिक्षण सत्र में मौजूद रहे अधिकारी बहराइच, संवाददाता। जिले में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत उपचुनाव के लिए तैनात किए गए आरओ व एआरओ को बुधवार कलेक्ट्रेट सभागार में प्रशिक्षित किया गया। राज्य निर्वाचन आयोग के नियमों की जानकारी दी गई। डीएम मोनिका रानी ने कहा कि निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव कराएं, ताकि यह नजीर बनें। आठ फरवरी को नामांकन के साथ ही उपचुनाव की गतिविधियों को भी तेज करने के निर्देश दिए गए। कहा कि जिम्मेदारी संभाल रहे अधिकारी हर जानकारी से अपडेट रहें।

डीएम ने कहा कि निर्वाचन की सार्वजनिक सूचना का ग्राम प्रचायत स्तर पर व्यापक प्रचार–प्रसार कराएं। सीआरओ देवेन्द्र पाल सिंह ने बताया कि नामांकन दाखिल करने वाले प्रत्याशी की उम्र की अर्हताध्अनर्हता के निर्धारण का सुसंगत दिनांक, नामांकन पत्रों की जांच का दिनांक होगा। प्रशिक्षण सत्र बताया कि नामांकन पत्रों को जमा करने की अन्तिम तिथि 08 फरवरी सुबह दस बजे से चार बजे तक होगी, नामे निर्देशन पत्रों की संवीक्षा का 10 ,उम्मीदवारी वापस लेने की तिथि 11 फरवरी दोपहर तीन बजे तक होगी। उसी दिन तीन बजे के बाद प्रतीक आवंटन किया जायेगा। उप निर्वाचन के मतदान की तिथि 19 फरवरी जबकि मतगणना का कार्य 21 फरवरी को सुबह आठ बजे से कार्य समाप्ति तक चलेगी। सीआरओ ने बताया कि सदस्य ग्राम पंचायत के 68, प्रधान ग्राम पंचायत के 05 व सदस्य क्षेत्र पंचायत के 03 रिक्त पदों कुल 76 पदों पर उप निर्वाचन होना है। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) राज कुमार शुक्ला ने भी आरओ व एआरओ को महत्वपूर्ण जानकार दी।

कुष्ठ रोग है अभिशाप नहीं,पूर्व जन्म का पाप नहीं

संवाददाता–श्रावस्ती। बुधवार को जूनियर विद्यालय सिरसिया से ब्लाक कुष्ठ स्पर्श जागरूकता पखवाड़ा अभियान की रैली निकाली गई। जिसमें छात्रों के साथ अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिरसिया डॉ प्रवीण कुमार व चिकित्सक मौजूद रहे। अधीक्षक ने बताया कि 30 जनवरी से13 फरवरी 2025 तक कुष्ठ स्पर्श जागरूकता पखवाड़ा चलाया जा रहा हैं। इस दौरान लोगों को बताया जा रहा है कि किसी व्यक्ति के शरीर में किसी भी स्थान पर दाग धब्बा हैं जिसमें सुन्नपन है, चिकोटी काटने पर दर्द नहीं होता है तो तुरंत सरकारी अस्पताल में जाकर दिखाना हैं। इसकी दवा एमडीटी निशुल्क मिलेगी। यह दवा बिल्कुल सुरक्षित है तथा इससे कुष्ठ ठीक हो जाता है और व्यक्ति पुनः स्वस्थ हो सकता है। रैली में बच्चों ने कुष्ठ रोग है अभिशाप नहीं,पूर्व जन्म का पाप नहीं तथा एमडीटी खाओ कुष्ठ मिटाओ, दाग चकत्ता सुन्न निशान, कुष्ठ रोग की है पहचान के नारे लगाए। रैली में अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिरसिया, सुपरवाइजर रोहित शुक्ला, ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक हरिश्चंद्र, बीएमसी अश्विनी मिश्रा, यूनीसेफ के साथ सुपरवाइजर प्रमोद कुमार, विजय यादव के साथ नोडल अधिकारी सौरभ चौधरी और जूनियर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अयोध्या प्रसाद राना,शिक्षक दीपक केसरवानी सहित छात्र मौजूद रहे।

अखिलेश ने मिल्कीपुर वोटिंग का दो ऑडियो जारी किया, बोले– रद्द हों यहां चुनाव

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या की मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी लगातार भाजपा पर धांधली करने का आरोप लगा रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अब कथित ऑडियो स्टिंग के दो ऑडियो अपने सोशल मीडिया पर जारी किए हैं। इसके साथ ही अपनी पोस्ट को चुनाव आयोग और यूपी पुलिस को टैग करते हुए तत्काल एक्शन लेने और इन बूथों का चुनाव रद्द करने की मांग की है। दो अलग–अलग ऑडियों में कोई एक ही व्यक्ति दो पीठासीन अधिकारियों से बातचीत कर रहा है। पीठासीन अधिकारियों से पूछ रहा है कि टार्गेट पूरा हो गया। इसमें एक पीठासीन अधिकारी 90 से 95 प्रतिशत टार्गेट पूरा होने की बात कह रहा है। अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट किए गए ऑडियो के साथ लिखा है कि ये है पीठासीन अधिकारियों की सच्चाई का स्टिंग ऑपरेशन जो सत्ताधारी के लिए फर्जी मतदान का टार्गेट पूरा कर रहे हैं। इनके बूथों पर तुरंत चुनाव रद्द किया जाए और इन्हें प्रथम दृष्टया आडियो सबूतों के आधार पर निलंबित किया जाए और फिर उचित न्यायिक कार्रवाई के बाद बर्खास्त भी किया जाए। अखिलेश यादव ने दावा किया कि अधिकारियों की चुनावी धांधली और हेराफेरी के ऐसे और भी वीडियो–ऑडियो आ रहे हैं। जब इनकी नौकरी जाएगी और समाज में बदनामी होगी शायद तब इनका ईमान और जमीर जागेगा। सरकार इनका इस्तेमाल करके अपना हाथ झाड़ लेगी, तब ये जेलों में होंगे और अपने समाज, परिवार और बच्चों की नजर में अपमान की जिंदगी जीएंगे। हम उन सब ईमानदार और सच्चे अधिकारियों की प्रशंसा करते हैं जिन्होंने भाजपा पार्टी ऑफिस से दिये गये 'फर्जी मतदान के टार्गेट' को मानने से इंकार कर दिया है। अखिलेश ने आगे कहा कि सर्वोच्च न्यायालय और निर्वाचन आयोग लोकतंत्र के ऐसे दुश्मनों का तत्काल संज्ञान ले।

अखिलेश यादव ने दो ऑडियो पोस्ट किए हैं। पहला ऑडियो 51 सेकेंड का है। इसमें एक व्यक्ति किसी को फोन पर पूछता है कि संतोष कुमार वर्मा बोल रहे हैं न 261 के पीठासीन अधिकारी। हां में जवाब मिलने पर कहता है कि लखनऊ से पार्टी आफिस से बोल रहा हूं। इसके बाद पूछता है कि टार्गेट पूरा हो गया न। इधर से जवाब मिलता है कि 90 से 95 प्रतिशत पूरा हो गया है। इसके बाद पूछता है कि आप 36 में थे या 48 में हैं, जवाब मिलता है 48 वाला है। फिर कहता है कि आपका जीवनभर एहसान रहेगा। दूसरा ऑडियो केवल 29 सेकेंड का है। इसमें भी वही व्यक्ति बोल रहा है। इसमें कॉल पर पूछता है कि 236 वाले पीठासीन अधिकारी बोल रहे हैं न, कौशलेंद्र भाई साहब। इनसे भी पूछता है कि टार्गेट पूरा हो गया न। जी में जवाब मिलने के बाद इनसे भी पूछता है कि 48 में थे या 36 में हैं। इससे भी कहता है कि आपका एहसान जीवनभर याद रहेगा।

जेल से रिहा हुआ पाकिस्तानी कैदी, कड़ी सुरक्षा में दिल्ली रवाना

संवाददाता–गोरखपुर। जिला कारागार में बंद पाकिस्तानी कैदी मो. मसरूफ उर्फ गुड्डू की रिहाई की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। बुधवार सुबह नौ बजे बहराइच एलआईयू (स्थानीय अभिसूचना इकाई) की टीम उसे कड़ी सुरक्षा में लेकर दिल्ली रवाना हो गई। वहां उसे पाकिस्तानी दूतावास को सौंपा जाएगा। सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद सात फरवरी को उसे अटारी बार्डर पर पाकिस्तानी अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा। कराची, पाकिस्तान के रहने वाले मो. मसरूफ को 2008 में बहराइच पुलिस ने जासूसी, देशद्रोह, जालसाजी और साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया था। 2013 में उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। 2015 में वाराणसी सेंट्रल जेल भेजा गया, लेकिन जेल में कैदियों को उकसाने और विद्रोह की साजिश रचने के कारण 2019 में गोरखपुर जेल स्थानांतरित किया गया। यहां उसे हाई–सिक्योरिटी बैरक में रखा गया था। अब उसकी सजा पूरी होने के बाद भारत सरकार ने उसे रिहा करने का फैसला किया है।

गृह मंत्रालय के अनुसार, रिहा किए जा रहे पाकिस्तानी कैदियों के खिलाफ अब कोई लंबित मामला नहीं है। संबंधित राज्य सरकारों ने उनकी रिहाई को मंजूरी दे दी है। कैदियों को उनके दस्तावेज और पहचान पत्र के साथ सुरक्षित और व्यवस्थित स्थिति में सौंपा जाएगा। राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि उन्हें अटारी बॉर्डर तक सुरक्षित पहुंचाया जाए। गोरखपुर जेल में बंद मो. मसरूफ के अलावा, गुजरात की भुज जेल में कैद खादम हुसैन तैमूर और राजस्थान की अलवर जेल में बंद नंदलाल को भी रिहा किया जाएगा। ये तीनों कैदी 7 फरवरी को अटारी बॉर्डर पर पाकिस्तानी अधिकारियों को सौंपे जाएंगे। जेल अधीक्षक दिलीप पांडेय ने कहा कि बहराइच एलआइयू की टीम ने जेल प्रशासन और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया। अब दिल्ली में उसकी आगे की औपचारिकताएं पूरी कर उसे अटारी बार्डर पर भेजा जाएगा।

नेहरू युवा केन्द्र माय भारत के दो दिवसीय खेल कूद प्रतियोगिता में विजेता पुरस्कृत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नेहरू युवा केन्द्र माय भारत के जिला युवा अधिकारी अनुराग यादव के संयोजन में शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम ग्राउन्ड में दो दिवसीय जिला स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वालीवाल बालक वर्ग, कबड्डी बालिका वर्ग, 400 मीटर बालक वर्ग, बालिका वर्ग मीटर दौड़, धीमी गति साईकिल बालिका वर्ग, बैडमिन्टन बालिका वर्ग, कुश्ती बालक वर्ग आदि प्रतियोगिताओं में ब्लाकों से चयनित खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

समापन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जगदीश शुक्ल ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। नेहरू युवा केन्द्र माय भारत के जिला युवा अधिकारी अनुराग यादव ने बताया कि जिला स्तरीय खेल कूद में ब्लाकों से चयनित कुल 150 से अधिक खिलाड़ियों ने अपना श्रेष्ठतम प्रदर्शन किया। बताया कि वालीवाल बालक वर्ग में बस्ती सदर प्रथम, गौर प्रथम, कबड्डी बालिका वर्ग में बस्ती सदर प्रथम, कप्तानगंज की टीम दूसरे स्थान पर रही। 400 मीटर बालक वर्ग में अवधेश प्रथम, प्रशान्त गिरी द्विती, मोहित तीसरे स्थान पर रहे। बालिका वर्ग 200 मीटर दौड़ में मुस्कान प्रथम, सरिता द्वितीय और निधि यादव तृतीय स्थान पर रहीं। धीमी गति साईकिल बालिका वर्ग, में अनन्या प्रथम, रेखा गिरी द्वितीय, सपना तृतीय स्थान पर रही। बैडमिन्टन बालिका वर्ग में सावित्री प्रथम, सपना द्वितीय, सोनाली तृतीय स्थान पर और बालक वर्ग कुश्ती में शिवम पाण्डेय प्रथम, विकास द्वितीय और प्रशान्त ने तीसरा स्थान पर प्राप्त किया।

पुरस्कार वितरण के अवसर पर मुख्य रूप से ओम प्रकाश मिश्र, परवेज आलम, मो. आरिफ, मनोरमा चौधरी, दीपेन्द्र यादव, शिवम यादव आदि मौजूद रहे।

एक सप्ताह भीतर के अंदर फेमिली आईडी बनवाकर जमा करें शिक्षक

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में बीईओ ज्ञानचंद्र मिश्र ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के लिए शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मियों को अब फैमिली आईडी बनाना होगा। इसको लेकर उच्चाधिकारियों द्वारा दिशा–निर्देश दिए गए है। सभी एक सप्ताह के अंदर अपना–अपना फैमिली आईडी बनवाकर बीआरसी कार्यालय पर जमा कर दें। बीआरसी कार्यालय पर बीईओ ने कहा कि फैमिली आईडी बनवाने के लिए, परिवार के सदस्यों का आधार कार्ड होना जरूरी है। इसके अलावा सभी सदस्यों का मोबाइल नंबर आधार कार्ड से लिंक होना चाहिए। फैमिली आईडी से सरकारी के किन–किन योजनाओं के लिए वह पात्र है, इसकी जानकारी आसानी से मिल सकेगी। उसी के अनुसार राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ हासिल होगा। फैमिली आईडी परिवार को एक विशिष्ट पहचान जारी करेगी। वर्तमान में जिनके पास आधार प्रमाणित राशन कार्ड है उनका राशन कार्ड नंबर उनका परिवार आईडी होगा और वे पंजीकरण पोर्टल उपयोग करके इसकी जांच कर सकते है।

अखिलेश यादव पर भाजपा का पलटवार, मिल्कीपुर के 6 वोट वाले वोटर अब बोले- फैमिली के वोट गिनाए थे

संवाददाता–अयोध्या। मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के मतदान के दौरान समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बोगस वोटिंग का आरोप लगाया था। मिल्कीपुर के एक बुजुर्ग वोटर का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करके अखिलेश ने फर्जी वोटिंग का आरोप लगाया था और कहा था कि सरकारी अधिकारी धांधली में शामिल हैं। अब भारतीय जनता पार्टी ने उन्हीं वोटर का नया वीडियो जारी किया है जिसमें उन्होंने बताया है कि उन्होंने यू–ट्यूबर को इंटरव्यू में परिवार के छह सदस्यों के वोट डालने की बात बताई थी। बुजुर्ग ने आरोप लगाया कि इंटरव्यू लेने वाले ने उन्हें 2000 रुपये लेकर अकेले ही छह वोट डालने की बात करने कहा था जिसे उन्होंने ठुकरा दिया। यूपी भाजपा द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर किए गए ताजा वीडियो में राम बहोर पांडेय नाम के ये वोटर कह रहे हैं कि उन्होंने अकेले छह वोट नहीं डाला है। उनके परिवार के छह लोगों ने 6 वोट डाला है। उन्होंने बताया कि उनसे बार–बार पूछा जा रहा था कि अकेले डाले हो, अकेले डाले हो। हमने कहा कि हमारे परिवार में छह लोग हैं, छह लोगों ने वोट डाला है। हमसे कहा कि 2000 ले लो और बोल दो कि हम अकेले डाले हैं। हमने कहा कि हम हिन्दू हैं, मूंछ कटा लेंगे लेकिन हम पैसा नहीं लेंगे।

फैजाबाद के सांसद अवधेश प्रसाद के विधानसभा से इस्तीफा देने के कारण मिल्कीपुर सीट पर ये चुनाव हो रहा है। उपचुनाव में अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार हैं। भारतीय जनता पार्टी ने चंद्रभानु पासवान और नगीना के सांसद चंद्रशेखर की आजाद समाज पार्टी ने संतोष चौधरी को कैंडिडेट बनाया है। 8 जनवरी को मतगणना के बाद नतीजे आएंगे। इस सीट पर सीएम योगी आदित्यनाथ और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी प्रचार किया है।

पांच महायज्ञों से सुखमय होगा जीवन –ओम प्रकाश आर्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। स्वामी दयानन्द विद्यालय सुरतीहट्टा बस्ती में साप्ताहिक यज्ञ के अवसर पर यज्ञ कराते हुए ओम प्रकाश आर्य प्रधान आर्य समाज नई बाजार बस्ती ने बताया कि प्रत्येक विद्यार्थी को नित्य ईश्वर स्तुति, प्रार्थना और उपासना करनी चाहिए इससे उनकी बुद्धि अति तीव्र हो जाती है जिससे कठिन से कठिन विषय भी आसान हो जाते हैं। हम प्रतिदिन मल, मूत्र, स्नान,वस्त्र प्रक्षालन करके जल और वायुमंडल को दूषित करते हैं उस पाप से बचने के यज्ञ ही एकमात्र उपाय है। हमारे ऋषियों ने पांच महायज्ञ करने की प्रेरणा दी है। इससे हमारा जीवन सुखमय बन जाता है। प्रातः उठकर ईश्वर का धन्यवाद करना ब्रह्मयज्ञ, उत्तम सामग्री को अग्नि में समर्पित करना देवयज्ञ, नमकरहित भोज्य पदार्थों का पशु पक्षियों के लिए भाग निकलना और अग्नि को समर्पित करना बलिवैश्वदेवयज्ञ। माता पिता की अन्न वस्त्र और सेवा से संतुष्ट करना पितृ यज्ञ, और बिना पूर्व सूचना के घर आए हुए की यथोचित सेवा सत्कार करना अतिथि यज्ञ कहलाता है। इस प्रकार जो पूर्ण समर्पण के साथ पंच महायज्ञ करता है तो उसे गृहस्थ आश्रम में ही ईश्वर का साक्षात्कार, अनुभव, आनन्द व मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है। इसलिए हमें हवन द्वारा पंचमहाभूतों की शुद्धि करना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आदित्यनारायण गिरि, गरुण ध्वज पाण्डेय, अरविन्द श्रीवास्तव, नितीश कुमार, अनूप कुमार त्रिपाठी, दिनेश मौर्य, अनीशा मिश्रा, शिवांगी गुप्ता, महक मिश्रा, पूजा गौतम, अंशिका पाण्डेय, आकृति द्विवेदी आदि सम्मिलित रहे।

चेक अनादर मामले में 18 लाख 10 हजार रुपए का अर्थदण्ड व एक वर्ष का कारावास

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में एक चेक अनादर होने के मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट भारती तायल की कोर्ट ने आरोपी राम प्रकाश यादव को दोष सिद्ध करार देते हुए 18 लाख 10 हजार के अर्थदण्ड का फैसला सुनाया। कोर्ट ने इसके साथ ही आरोपी को एक वर्ष के साधारण कारावास की भी सजा सुनाई। अर्थदण्ड का भुगतान न करने पर न्यायालय के आदेश की अवमानना स्वरूप आरोपी को छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। अर्थदण्ड की धनराशि अदा न करने पर जुर्माना की धनराशि भू राजस्व के रूप में वसूल की जाएगी। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट आदेश दिया कि अतिरिक्त साधारण कारावास की सजा भुगतने के बावजूद आरोपी अर्थदण्ड की अदायगी से अवमुक्त नहीं होगा। अर्थदण्ड की धनराशि प्रत्येक स्थिति में वसूल की जाएगी। चेक अनादर का यह परिवाद मुमताज अहमद पुत्र तजम्मुल हुसेन गौसपुर थाना कोतवाली खलीलाबाद ने एनआई एक्ट के अंतर्गत कोर्ट में प्रस्तुत किया था। परिवादी का आरोप था कि परिवादी ने विपक्षी से जमीन क्रय करने के लिए विभिन्न तिथियों में रुपया दिया था। विपक्षी न तो जमीन दे रहे थे और न ही रुपया वापस कर रहे थे। काफी अनुरोध के बाद 5 नवम्बर 2015 को भारतीय स्टेट बैंक का दस लाख रुपए का चेक दिया। चेक को परिवादी ने अपने ओरिएंटल बैंक आफ कॉमर्स खलीलाबाद के शाखा में भुगतान हेतु जमा किया। खाते में पर्याप्त धनराशि न होने के कारण 10 नवम्बर 2015 को बिना भुगतान के वापस हो गया। जेएम भारती तायल की कोर्ट ने सुनवाई के पश्चात आरोपी को दोष सिद्ध करार दिया। कोर्ट ने चेक की धनराशि दस लाख रुपए पर 9 प्रतिशत साधारण ब्याज की दर से लगभग 9 वर्ष तक परिवाद चलने से 8 लाख 10 हजार रुपए ब्याज निर्धारित करते हुए कुल 18 लाख 10 हजार रुपए के अर्थदण्ड तथा एक वर्ष के साधारण कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के क्रम में अर्थदण्ड की धनराशि से 18 लाख रुपए बतौर क्षतिपूर्ति परिवादी को अदा करने और दस हजार रुपए राज्य सरकार के खाते में जब्त करने का आदेश दिया।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या–10/2024

1. महमूद 2. शमीम 3. अब्दुल रहीम पुत्रगण मो0 इस्लाम निवासीगण महुअरवा तप्पा घोष परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ जिला सिद्धार्थनगर

प्रार्थी/प्रार्थीगण

बनाम

इस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 14–02–2025

अपने मृतक को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2025 के 02 के 14 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0–48/2024

कुसुम श्रीवास्तव

बनाम

मुफीद अहमद आदि

1/1 मोहम्मद रईस पुत्र मुफीद अहमद 2. मोबीन अहमद 3. अब्दुल मोबीन 4. अब्दुल खालिक पुत्रगण मुन्नेशेख निवासी ग्राम हैदराबाद तप्पा बेलवा परगना अमोढा थाना परशुरामपुर तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 5. श्रीमती राधा श्रीवास्तव पत्नी श्री देवी प्रसाद श्रीवास्तव निवासी इन्दरानगर सेक्टर नं0–21 मकान सं0–161 शहर लखनऊ

तारीख पेशी 07–03–2025

हरगाह मुद्दई मजकूरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 07 माह 03 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुदगी की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 01 माह 02 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

विपक्षी व्यक्ति के नाम नोटिस (धारा–63 अनुसूची–5 प्रपत्र सं0–1)

न्यायालय– श्रीमान अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती जिला–बस्ती

मु0नं0 237/11/2023

थाना– नगर

जिला–बस्ती

ऊषा देवी

बनाम

शिवपूजन

तारीख पेशी 24–03–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 125 सी0आर0पी0सी0

विपक्षी–शिवपूजन उम्र लगभग 80 साल पुत्र घुरहू यादव साकिन मौजा कुसमौर पोस्ट गांधी नगर थाना नगर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती

विपक्षी

के नाम

चूंकि आपकी उपस्थिति 125 सी. आर.पी.सी. के अपराध का उत्तर देने के लिए आवश्यक है अतएव आपको एतत द्वारा आदेश दिया जाता है कि स्वयं/अधिवक्ता द्वारा उपयुक्त न्यायालय के समक्ष सन् 2025 ई0 के 03 मास के 24 दिवस को उपस्थित हों। ऐसा करने में त्रुटि न हो।

सन् 20 ई0 मास के दिवस को हस्ताक्षरित हो।

हस्ताक्षर

अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)/एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0–141/2014

श्रीमती कलवाती

बनाम

मनोरमा

1. मनोरमा उम्र लगभग 76 वर्ष पत्नी अवधेश कुमार निवासी मौजा लोकईपुर तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 06–03–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 06 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0–49/2024

अनुराग भूषण श्रीवास्तव

बनाम

मुफीद अहमद आदि

1/1 मोहम्मद रईस पुत्र मुफीद अहमद 2. मोबीन अहमद 3. अब्दुल मोबीन 4. अब्दुल खालिक पुत्रगण मुन्नेशेख निवासी ग्राम हैदराबाद तप्पा बेलवा परगना अमोढा थाना परशुरामपुर तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 5. श्रीमती राधा श्रीवास्तव पत्नी श्री देवी प्रसाद श्रीवास्तव निवासी इन्दरानगर सेक्टर नं0–21 मकान सं0–161 शहर लखनऊ

तारीख पेशी 07–03–2025

हरगाह मुद्दई मजकूरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 07 माह 03 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुदगी की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 01 माह 02 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0–25/2025

राधिका आदि

बनाम

सौरभ सिंह आदि

1. सौरभ सिंह उम्र लगभग 37 वर्ष पुत्र अमरजीत सिंह साकिन खीरीघाट तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 2. मदन उम्र लगभग 38 वर्ष पुत्र मेवालाल मौजा संतपुर उर्फ गदहाखोर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

3. रामवृक्ष उम्र लगभग 43 वर्ष पुत्र मेवालाल मौजा संतपुर उर्फ गदहाखोर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 11–02–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 11 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

पत्नी से विवाद के बाद पति ने की खुदकुशी

संवाददाता–गोरखपुर। हरपुर–बुदहट, हिन्दुस्तान संवाद। इलाके के गोरहडीह गांव में पत्नी से विवाद के बाद पति ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना की सूचना के बाद हरपुर–बुदहट पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, गोरहडीह के प्रहलाद गोंड का इकलौता लड़का सत्यम (25) की दो साल पहले शादी हुई थी। मंगलवार की शाम किसी बात को लेकर पत्नी से झगड़ा हुआ। इसके बाद पति को एक कमरे में बंद कर, खुद दूसरे कमरे की कुंडी से रस्सी के सहारे फांसी लगा कर खुदकुशी कर ली। सत्यम का अभी कोई बच्चा भी नहीं हुआ था।

मंदिर के दानपात्र से रुपये चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। मंदिर के दानपात्र से रुपये चोरी होने के मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। जंगल सिकरी बानपोखर निवासी बृजलाल पासवान ने केस दर्ज कराया। उन्होंने बताया कि उन्हें पुरानी हरीदास ने चोरी की जानकारी दी है। बताया कि तीन फरवरी सोमवार की मध्य रात में मंदिर में रखी गई दान पेटिका को अज्ञात चोरों द्वारा ताला तोड़कर उसमें से चढ़ावा रुपये चुरा लिया गया है। केस दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है।

सीपीआर तकनीक से रूबरू हुए विद्यार्थी

संवाददाता–गोरखपुर। महात्मा गांधी पीजी कॉलेज व रोटरी क्लब युगल के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को 'सीपीआर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के डॉ. अनुभव सागर, डॉ. अभिलाषा व डॉ. अविनाश ने छात्र–छात्राओं को आपातकाल में सीपीआर देने की तकनीक के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान विद्यार्थियों ने सीपीआर देने का अभ्यास भी किया। प्राचार्य प्रो. अनिल सिंह ने कहा कि उपरोक्त इस तकनीक से विद्यार्थी कई लोगों को जीवन दे सकते हैं।

इस अवसर पर रोटरी क्लब की अध्यक्ष डॉ प्रियंका श्रीवास्तव, सचिव अनुपम सहाय, आरपी श्रीवास्तव, अमित भट्टाचार्य, अमित जायसवाल, शिशिर मुकुल, वर्षा जायसवाल व सुधा मोदी आदि मौजूद रहे।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com